पश्चिम मध्य रेलवे

मुख्यालय, जबलपुर

राजभाषा सरिता

हिंदी है जन-जन की अभिलाषा

50

स्वर्ण जयंती अंक

राजभाषा स्मारिका-2024

वर्ष-2024 अंक - 50 अप्रैल-जून

पश्चिम मध्य रेलवे के माननीय महाप्रबंधक

नेतृत्व एक ऐसा कौशल है, जो हर व्यक्ति में नहीं हो सकता है और
जिसमें यह कौशल होता है, वह सबसे अलग होता है।
यह अटल सत्य है कि कुशल नेतृत्व के बिना किसी भी संगठन का
चलना एवं सफल होना असंभव माना जाता है।

पश्चिम मध्य रेलवे की गृह राजभाषा पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के नियमित प्रकाशन और अपने कुशल नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेलवे पर संघ की राजभाषा नीति के कारगर एवं सफल कार्यान्वयन के लिए राजभाषा विभाग अपने सभी महाप्रबंधकों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

पश्चिम मध्य रेलवे

शोभना बंदोपाध्याय
महाप्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि पश्चिम मध्य रेलवे, मुख्यालय, राजभाषा विभाग द्वारा गृह पत्रिका 'राजभाषा सरिता' का स्वर्ण जयंती अंक 'स्मारिका' के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

विभागीय पत्रिकाएं आपसी संवाद का बेहतर माध्यम होती हैं। मुझे खुशी है कि पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय सहित मंडलों तथा कारखानों द्वारा भी विभागीय राजभाषा पत्रिकाओं का नियमित रूप से प्रकाशन किया जाता है, जिनके माध्यम से हमें इस रेलवे पर किये जा रहे सराहनीय एवं महत्वपूर्ण गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होती है।

मुझे विश्वास है कि यह स्वर्ण जयंती अंक राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार की दृष्टि से सूचनापरक , ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध होगा और इसके प्रकाशन से हमारे कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में उत्तरोत्तर प्रगति होगी।

मैं, पश्चिम मध्य रेलवे पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में किये जा रहे उत्तम प्रयासों की सराहना करती हूँ और पत्रिका से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए इस अंक के सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ ।

(शोभना बंदोपाध्याय)

पश्चिम मध्य रेलवे

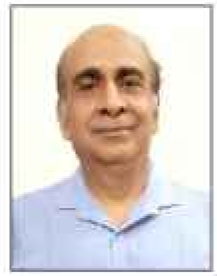

रवि शंकर सक्सेना
अपर महाप्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि पश्चिम मध्य रेलवे, मुख्यालय, राजभाषा विभाग अपनी गृह पत्रिका 'राजभाषा सरिता' का स्वर्ण जयंती अंक 'स्मारिका' के रूप में प्रकाशित कर रहा है।

मुझे खुशी है कि इस विशेष अंक के प्रकाशन से हमें पश्चिम मध्य रेलवे की स्थापना से लेकर अब तक राजभाषा विभाग द्वारा किए गए उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्यों और महत्वपूर्ण गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही हम भारत सरकार की राजभाषा नीति, प्रोत्साहन एवं पुरस्कार योजनाओं, राजभाषा नियम एवं अधिनियम की बारीकियों से अवगत होंगे।

मुझे विश्वास है कि इस स्वर्ण जयंती अंक के प्रकाशन से हमारे कार्यालयों में राजभाषा प्रयोग-प्रसार हेतु अनुकूल वातावरण निर्मित होगा और हमारे रेल अधिकारी एवं कर्मचारी अपना अधिकाधिक दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करने के लिए प्रेरित होंगे।

मैं, इस सराहनीय प्रयास के लिए राजभाषा विभाग को बधाई देता हूँ और इस स्वर्ण जयंती अंक के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ ।

रवि

(रवि शंकर सक्सेना)

पश्चिम मध्य रेलवे

मनोज कुमार गुप्ता
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक एवं
मुख्य राजभाषा अधिकारी
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

संदेश

आपको यह अवगत कराते हुए मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि पश्चिम मध्य रेलवे, मुख्यालय, राजभाषा विभाग द्वारा विभागीय गृह पत्रिका 'राजभाषा सरिता' का स्वर्ण जयंती अंक 'स्मारिका' के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

01 अप्रैल 2003 को पश्चिम मध्य रेलवे के गठन के साथ ही इस रेल पर रेल संचालन संबंधी महत्वपूर्ण नवीन गतिविधियों के साथ-साथ भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन का कार्य भी शुरू हुआ। तदनुसार वर्ष 2005 से पश्चिम मध्य रेलवे पर भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के कारगर कार्यान्वयन एवं राजभाषा हिंदी के प्रभावी अनुपालन के क्रम में 'राजभाषा सरिता' के प्रकाशन का कार्य भी शुरू हुआ। यह सफर आज अपनी 50 वीं मंजिल तक पहुँच चुका है। यह हम सभी के लिए गौरव का विषय है।

राजभाषा सरिता के इस स्वर्ण जयंती अंक को स्मारिका के रूप में प्रकाशित करने का हमारा मुख्य उद्देश्य यह है कि हमारे सभी अधिकारी और कर्मचारी भारत सरकार की राजभाषा नीति के विभिन्न पहलुओं, पुरस्कार एवं प्रोत्साहन योजनाओं, राजभाषा अधिनियम एवं नियमों से अवगत हों। साथ ही उन्हें इस रेलवे पर राजभाषा विभाग द्वारा किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों, महत्वपूर्ण गतिविधियों तथा उपलब्धियों की जानकारी भी प्राप्त हो ताकि वे अपना दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करने के लिए प्रेरित हो सके।

राजभाषा विभाग इस सराहनीय प्रयास के लिए बधाई का पात्र है। मैं पश्चिम मध्य रेलवे, राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित किए जा रहे 'स्वर्ण जयंती' अंक के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(मनोज कुमार गुप्ता)
मुख्य राजभाषा अधिकारी

हमारे नये मुख्य राजभाषा अधिकारी

मनोज कुमार गुप्ता

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी

श्री मनोज कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक ने दिनांक 20.08.2024 को पश्चिम मध्य रेलवे के 19वें मुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

आप भारतीय रेलवे भंडार सेवा (आईआरएसएस) 1989 बैच के अधिकारी हैं। आपने आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक. की उपाधि प्राप्त की। आपने जनवरी, 1991 से दिसम्बर, 2009 के मध्य तत्कालीन रेलवे स्टॉफ कॉलेज, बड़ोदरा से क्रमश: फाउंडेशन पाठ्यक्रम, इंडक्शन पाठ्यक्रम, एमडीपी पाठ्यक्रम, एएमपी पाठ्यक्रम तथा सिंगापुर एवं मलेशिया से एएमपी पाठ्यक्रम (ओवरसीज) का प्रक्षिक्षण प्राप्त किया।

आपका रेल सेवा सफर 07.01.1991 में प्रारंभ हुआ। आपने भारतीय रेल में सहायक भंडार नियंत्रक, आरसीएफ, जिला भंडार नियंत्रक (डीसीओएस), आरसीएफ, सीनियर ईडीपीएम, लखनऊ मंडल, उत्तर रेलवे, उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, निदेशक, भंडार, रेलवे बोर्ड, मुख्य प्रबंधक, ईपीएस, क्रिस, महाप्रबंधक, ईपीएस, क्रिस के रूप में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की।

उपर्युक्त पदों पर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए आपको माननीय रेल मंत्री एवं महाप्रबंधक स्तर पर पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। पश्चिम मध्य रेलवे पर भंडार विभाग के मुखिया के रूप में नियुक्ति से पूर्व आप रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, भंडार के रूप में कार्यरत रहे हैं। पश्चिम मध्य रेलवे पर विभाग प्रमुख के रूप में आपकी विशिष्ट कार्य शैली, त्वरित निर्णय क्षमता एवं मार्गदर्शन कौशल के फलस्वरूप भंडार विभाग नित्य नई ऊँचाईयाँ हासिल कर रहा है।

कर्मचारियों से जुड़े मामलों में आपका सहयोग एवं मार्गदर्शन सराहनीय रहता है। अपने सरल एवं मधुर स्वभाव के कारण आप अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच समान रूप से लोकप्रिय हैं। हम राजभाषा परिवार की ओर से अपने नये मुख्य राजभाषा अधिकारी का हार्दिक स्वागत करते हैं ।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे के भंडार विभाग के साथ-साथ राजभाषा विभाग भी हिंदी के प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में नई ऊँचाईयों को हासिल करेगा।

संपादक की कलम से ....

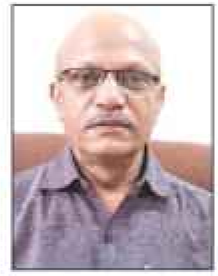

संपादकीय

पश्चिम मध्य रेलवे, मुख्यालय, राजभाषा विभाग की लोकप्रिय गृह पत्रिका 'राजभाषा सरिता' का स्वर्ण जयंती अंक 'स्मारिका' के रूप में रेल परिवार को समर्पित करते हुए मुझे अत्यन्त खुशी हो रही है।

इस अंक में हमने पश्चिम मध्य रेलवे पर भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के प्रभावी अनुपालन के क्रम में कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान, महाप्रबंधक सहित मुख्य राजभाषा अधिकारी व क्रमवत अन्य अधिकारियों, समितियों तथा अनुपालन इकाईयों का विवरण संग्रहित किया है।

01 अप्रैल 2003 को पश्चिम मध्य रेलवे के गठन के साथ ही सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के समुचित अनुपालन एवं इसके प्रगामी प्रयोग को निरंतरता प्रदान करने के लिए विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत प्रोत्साहन योजनाओं, प्रतियोगिताओं व गृह पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के माध्यम से पारस्परिक संवादों का दौर जारी रखा गया। परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेलवे की स्थापना के साथ ही इस रेलवे को हर वर्ष रेलवे बोर्ड स्तर का कोई न कोई पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

राजभाषा सरिता के आगामी अंक के संपादक का दायित्व भावी राजभाषा अधिकारी को सौंपते हुए मैं संपादक मंडल के साथियों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ की उन्होंने पश्चिम मध्य रेलवे पर राजभाषा की सरिता को प्रवाहमान रखने में अपना श्रेष्ठ योगदान दिया।

नए संपादक मंडल को असीम शुभकामनाओं सहित .....

(राज रंजन श्रीवास्तव)
राजभाषा अधिकारी

सत्यमेव जयते

राजभाषा संकल्प, 1968

(सदन के दोनों सदनों द्वारा दिसम्बर, 1967 में पारित)

'यह सभा संकल्प करती है कि हिंदी के प्रसार एवं विकास की गति बढ़ाने हेतु तथा संघ के विभिन्न राजकीय प्रयोजनों के लिए उत्तरोत्तर इसके प्रयोग हेतु भारत सरकार द्वारा एक अधिक गहन एवं व्यापक कार्यक्रम तैयार किया जायेगा और उसे कार्यान्वित किया जाएगा'

गृह मंत्रालय द्वारा दिनांक 18 जनवरी, 1968 को अधिसूचित

राजभाषा सरिता

अंक - 50 वर्ष - 2024 अप्रैल - जून

संरक्षक
श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय
महाप्रबंधक

मार्गदर्शक
मनोज कुमार गुप्ता
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक एवं
मुख्य राजभाषा अधिकारी

परामर्श
प्रज्ञेश निंबालकर
उप मुख्य यांत्रिक इंजी. एवं
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादक
राज रंजन श्रीवास्तव
राजभाषा अधिकारी

कार्यकारी संपादक
संत लाल मर्सकोले
राजभाषा अधिकारी

उप संपादक
राकेश कुमार मालवीय
वरिष्ठ अनुवादक

सहयोग
राजभाषा विभाग

पत्राचार का पता
संपादक
राजभाषा सरिता
महाप्रबंधक कार्यालय, राजभाषा विभाग
पश्चिम मध्य रेल, इंदिरा मार्केट
जबलपुर (म.प्र.)
मोबाइल : 97524 15614, 77010 82680
e-mail: rajbhashawcrhq@gmail.com

- सीमित संख्या में निःशुल्क वितरण के लिए
- पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं ।

अनुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	पृष्ठ
1.	पश्चिम मध्य रेलवे पर राजभाषा हिंदी	02-04
2.	संसदीय राजभाषा समिति की पमरे के कार्यालयों के साथ निरीक्षण बैठकें	05-07
3.	पमरे के राजभाषा स्वर्ण एवं रजत पदक	08
4.	रेलवे बोर्ड की व्यक्तिगत पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारी एवं कर्मचारी	09-10
5.	रेलवे बोर्ड स्तर पर प्राप्त शील्ड एवं ट्रॉफी	11-13
6.	पमरे के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी	14
7.	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति	15-16
8.	हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन	17
9.	रेल हिंदी नाट्योत्सव	18
10.	जबलपुर मंडलः प्रगति पथ पर राजभाषा	19-20
11.	भोपाल मंडल पर राजभाषा प्रगति	21-23
12.	कोटा मंडल में राजभाषा के बढ़ते कदम	24-26
13.	राजभाषा हिंदी के समग्र विकास में समर्पित	27-29
14.	माल डिब्बा मरम्मत कारखाना में राजभाषा	30-32
15.	छायाचित्र वीथिका	33-38

रेल की भाषा , मेल की भाषा। देश की भाषा, हिंदी भाषा।।

पश्चिम मध्य रेलवे पर राजभाषा हिंदी का प्रगामी प्रयोग

राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा हिंदी की प्रगति और विकास का आंकलन जहां देशवासियों के हिंदी समझने, बोलने, पढ़ने-लिखने के आधार पर किया जाता है वहीं सरकारी कार्यालयों में इसका अनुपालन मुख्यत: तीन स्तरों पर किया जाता है :-

(1) अनुवाद (2) कार्यान्वयन (3) प्रशिक्षण ।

ये तीनों अंग क्रमश: शरीर के मस्तिष्क, हृदय और उदर की तरह हैं जिनका संबंध राष्ट्रीय अस्मिता, प्रेम और भावनात्मक संवेदनाओं से जुड़ा हुआ है।

01. अनुवाद:- राजभाषा प्रयोग-प्रसार में अनुवाद का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अनुवाद एक सतत् चलने वाला कार्य है क्योंकि भारत सरकार की द्विभाषिक नीति लागू है। जिसके तहत नियमावली व धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी करना संविधानिक अनिवार्यता है। अनुवाद कार्य में दोनों भाषाओं के भावों की समझ, हिंदी-अंग्रेजी व्याकरण व शब्दकोश का ज्ञान तथा उसे प्रसंगानुसार लक्ष्य भाषा में ढ़ालने के लिए विवेक का प्रयोग किया जाता है इसलिए इसे मस्तिष्क की संज्ञा दी गई है। पमरे के गठन के बाद राजभाषा विभाग द्वारा तीन नियमावलियों यथा पमरे की सामान्य एवं सहायक नियमावली, दुर्घटना नियमावली तथा चल लेखा परीक्षा नियमावली के अनुवाद किये गए। इसके अलावा स्टेशन संचालन नियम, इनके शुद्धि पत्र तथा संशोधन, संरक्षा परिपत्र एवं बुलेटिन, सतर्कता बुलेटिन, सामान्य आदेश, संविदा एवं करार तथा विभिन्न परिपत्र आदि दस्तावेजों के अनुवाद कार्य प्रतिदिन नियमित रूप से किया जाता है।

02. कार्यान्वयन:- राजभाषा नीति का कार्यान्वयन व अनुपालन प्रभावी रूप से हो, इसका एक मात्र उपाय है कि व्यक्तियों के हृदय में राजभाषा के प्रति लगाव, निष्ठा और प्रेम का भाव जागृत किया जाए ताकि स्वभाविक रूप से निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किये जा सकें। राजभाषा कार्यान्वयन का कार्य राजभाषा विभाग के प्रमुख दायित्वों में से एक है। इसका मुख्य उद्देश्य संघ की राजभाषा नीति के अनुरूप सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में कराना तथा गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न मदों के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना है। वर्ष 2003 में क्षेत्रीय रेलवे के गठन के समय राजभाषा विभाग में कर्मचारियों की संख्या एवं संसाधन सीमित होने के कारण राजभाषा नीति का कार्यान्वयन व अनुपालन प्रारंभिक वर्षों में क्षेत्रीय राजभाषा समिति की बैठक कराने आदि तक सीमित रहा। मुख्यालय में राजभाषा अधिकारियों की पदस्थापना के बाद कार्यान्वयन में तेजी आई और हिंदी दिवस / राजभाषा पखवाड़ा, हिंदी कार्यशालाओं एवं हिंदी प्रतियोगिताओं, साहित्यकारों की जयंतियाँ, रेल हिंदी नाट्योत्सव आदि का आयोजन,एवं विभागीय राजभाषा पत्रिका 'राजभाषा सरिता' एवं नराकास की वार्षिक पत्रिका 'सरल' का प्रकाशन, कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाना एवं अन्य गतिविधियों के साथ वर्ष दर वर्ष उत्तरोत्तर प्रगति एवं उपलब्धियों के नये आयाम स्थापित हुए।

3. प्रशिक्षण:- कहावत है कि उदर ठीक तो स्वास्थ्य ठीक, वैसे ही हिंदी में कर्मी प्रशिक्षित तो हिंदी प्रगति सुनिश्चित। राष्ट्रपति जी के 27 अप्रैल 1960 के आदेश के अनुसार कुछ श्रेणी के कर्मचारियों को छोड़कर केन्द्र सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए हिंदी प्रशिक्षण अनिवार्य है। संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी है। तद्नुसार केन्द्रीय सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी में काम हो, यह आवश्यक है। यह तभी संभव है जब सभी अधिकारी एवं कर्मचारी हिंदी में प्रशिक्षित हों या प्रवीण हों।

अत: हिंदी न जानने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी गृहमंत्रालय, राजभाषा विभाग को सौंपी गई है जो हिंदी शिक्षण योजना का कार्यालय के माध्यम से प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ व पारंगत प्रशिक्षण तथा हिंदी टंकण एवं हिंदी आशुलिपि का प्रशिक्षण देने का कार्य करता है। प्रशिक्षण में सफल कर्मियों को आर्थिक प्रोत्साहन भी दिया जाता है जो कर्मी नियमित कक्षा में भाग नहीं ले सकते वे पत्राचार पाठ्यक्रम द्वारा परीक्षा दे सकते हैं। पश्चिम मध्य रेल पर प्रशिक्षण की स्थिति निम्नानुसार है:-

(क) प्रबोध / प्रवीण / प्राज्ञ /पारंगत प्रशिक्षण :-

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) का निरीक्षण संसदीय रा.भा.समिति की दूसरी उप. समिति द्वारा किया जाता है।

पश्चिम मध्य रेल पर प्रबोध / प्रवीण/ प्राज्ञ/पारंगत प्रशिक्षण के लिए कोई अधिकारी/ कर्मचारी शेष नहीं है। अर्थात सभी अधिकारी एवं कर्मचारी हिंदी में प्रशिक्षित है अथवा उन्हें हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान है।

(ख) हिंदी कुंजीयन/हिंदी टंकण/आशुलिपि का प्रशिक्षण

पश्चिम मध्य रेल पर कुल 857 टंकक/लिपिक कार्यरत हैं जो सभी प्रशिक्षित है इसी प्रकार कुल 181 आशुलिपिक कार्यरत हैं इनमें से अधिकांश आशुलिपिक स्वयं के प्रयास से हिंदी में कार्य कर रहे हैं। पश्चिम मध्य रेल के गठन के समय से अब तक कुल 4,403 कर्मचारियों को हिंदी कुंजीयन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

हमारा यह प्रयास रहता है कि सभी के मन में हिंदी के प्रति सकारात्मक भाव जागृत हो, हर कर्मी के मन में हिंदी में काम करने पर गर्व महसूस हो, सबके मन में हिंदी के प्रति आत्मीयता पैदा हो तथा हिंदी प्रगति का भाव जागृत हो, इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर निम्नलिखित आयोजन/ कार्यक्रम/गतिविधियाँ संचालित की जाती है।

राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की बैठकें आयोजित करना

संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और हिंदी प्रयोग को बढ़वा देने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन सहित कुल 37 (सैंतीस) मंडल/ कारखाना/शेड स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समितियाँ गठित हैं। इन समितियों की बैठकों में राजभाषा हिंदी प्रगति की समीक्षा की जाती है तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा की जाती है और तद्नुसार राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है। इन समितियों की तिमाही बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही है जिससे राजभाषा प्रगति में तेजी आयी है।

हिंदी दिवस/ राजभाषा सप्ताह/ राजभाषा पखवाड़ा /राजभाषा मास का आयोजन :- राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने की कड़ी में हिंदी दिवस/राजभाषा सप्ताह/ राजभाषा पखवाड़ा / राजभाषा मास का आयोजन प्रमुख कारक है। प्रति वर्ष14 सितंबर हिंदी दिवस के अवसर पर विगत 3 वर्षों से गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें मुख्यालय सहित मंडलों एवं कारखानों के राजभाषा अधिकारी एवं कर्मचारी भाग लेते हैं। तद्नुसार मुख्यालय/ मंडलों तथा कारखानों पर प्रतिवर्ष सितंबर माह में राजभाषा सप्ताह/राजभाषा पखवाड़ा/राजभाषा मास मनाया जाता है। इस दौरान विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इन आयोजनों से राजभाषा प्रयोग-प्रसार हेतु अनुकूल वातावरण निर्मित होता है। इसके अलावा पमरे पर 14 सितंबर हिंदी दिवस के अवसर पर अधिकारी तथा कर्मचारियों को हिंदी में कार्य हेतु प्रेरित करने की दृष्टि से प्रतिवर्ष महाप्रबंधक महोदय का हिंदी दिवस संदेश प्रकाशित किया जाता है। हिंदी संदेश के माध्यम से सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों से अधिकाधिक काम हिंदी करने की अपील की जाती है।

हिंदी दिवस/ राजभाषा सप्ताह/ राजभाषा पखवाड़ा/ राजभाषा मास के समापन समारोह के अवसर पर वर्षभर हिंदी में सराहनीय कार्य करने वाले, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यालय/मंडल एवं कारखाना स्तर पर पुरस्कृत किया जाता है। हिंदी में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने के लिए मुख्यालय के एक विभाग को राजभाषा शील्ड एवं एक विभाग को राजभाषा ट्रॉफी तथा अंतर कारखाना राजभाषा शील्ड प्रदान की जाती है। साथ ही प्रतिवर्ष रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर किसी एक मंडल को महाप्रबंधक की राजभाषा दक्षता शील्ड भी प्रदान की जाती है।

हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन :- उक्त प्रशिक्षण के अलावा राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता हैं जिनसे हिंदी प्रयोग-प्रसार के लिए एक प्रेरक माहौल बनता है और कर्मचारियों में हिंदी में काम करने के प्रति जागरूकता बढ़ती है। हिंदी कार्यशालाओं में भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ मसौदा तथा पत्र लेखन का अभ्यास भी कराया जाता है। इससे कर्मचारियों में हिंदी पत्र लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ता है व राजभाषा नियमों के अनुपालन की ओर अधिक सजगता बढ़ती है। इस रेलवे के गठन के उपरांत अब तक कुल

14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाया जाता है।

387 हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन कर 57,279 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

प्रोत्साहन/पुरस्कार योजनाओं का कार्यान्वयन :- संघ की राजभाषा नीति मूलत: प्रेरणा एवं प्रोत्साहन पर आधारित नीति है। पमरे पर गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड की सभी प्रोत्साहन योजनाएं लागू हैं जिनमें अधिकारी/ कर्मचारी उत्साह पूर्वक भाग लेते हैं और लगातार पुरस्कार प्राप्त कर पश्चिम मध्य रेलवे का गौरव बढ़ा रहे हैं।

हिंदी पुस्कालयों का संचालन :- राजभाषा प्रयोग-प्रसार बढ़ाने की दिशा में हिंदी पुस्तकालयों का भी विशेष योगदान है। वर्तमान में मुख्यालय सहित मंडलों, कारखानों तथा स्टेशनों व डिपो में कुल 42 हिंदी पुस्तकालय संचालित हैं जिनमें 36,225 पुस्तकें उपलब्ध हैं।

निरीक्षण :- राजभाषा संबंधी आदेशों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभागीय निरीक्षण करने वाले अधिकारियों का बड़ा योगदान है। राजभाषा विभाग के अधिकारी समय-समय पर विभिन्न विभागों /कार्यालयों में राजभाषा प्रगति का निरीक्षण करते हैं तथा अन्य विभाग अधिकारी भी अपने विभागीय निरीक्षण के दौरान राजभाषा प्रगति का भी जायजा लेते हैं तथा पायी गई कमियों को दूर करने हेतु प्रभावी कदम उठाते हैं।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन :- प्रतियोगिताओं के आयोजन से कर्मचारियों में उत्साह एवं उल्लास बना रहता है। पश्चिम मध्य रेल पर अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं के अलावा राजभाषा सप्ताह/ पखवाड़ा / मास के अवसर पर विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। रेलवे बोर्ड द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पमरे के कर्मचारी अखिल रेल स्तर पर पश्चिम मध्य रेलवे का नाम रोशन कर रहे हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन :- इस प्रकार के कार्यक्रम कर्मचारियों के मन में आकर्षण, जागरूकता और संकल्प शक्ति उत्पन्न करने के लिए आयोजित किये जाते हैं। पमरे सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों द्वारा अध्यक्ष/ पमरे सांस्कृतिक अकादमी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राष्ट्रीय पर्व, पमरे स्थापना दिवस, रेल सप्ताह, हिंदी सप्ताह एवं सर्तकता जागरूकता सप्ताह आदि अवसरों पर सराहनीय प्रदर्शन किया जाता हैं। सांस्कृतिक अकादमी के नाट्य कलाकार क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित नाट्योत्सव प्रतियोगिता में भाग लेते हैं एवं प्रथम स्थान प्राप्त नाटक रेलवे बोर्ड स्तर पर आयोजित हिंदी नाट्योत्सव प्रतियोगिता में पश्चिम मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करता है।

राजभाषा नीति संबंधी पम्पलेट, डायरी, पोस्टर आदि का प्रकाशन :- राजभाषा हिंदी के प्रयोग हेतु अनुकूल वातावरण बनाने में राजभाषा नीति संबंधी पम्पलेट, डायरी (दैनंदिनी), पोस्टर आदि का बहुत बड़ा योगदान होता है। इनसे कर्मचारी हिंदी में काम करने के प्रति आकर्षित होते हैं। मुख्यालय सहित जबलपुर,भोपाल एवं कोटा मंडल तथा भोपाल एवं कोटा कारखानों द्वारा इनका नियमित रूप से प्रकाशन किया जाता है।

अभिप्रेरणा:- प्रेरणा शक्ति अन्य शक्तियों से अधिक शक्तिशाली होती है। मोटीवेशन के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कठिनाईयों एवं समस्याओं का पता चलता है तद्नुसार उनकी समस्याओं का समाधान कर हिंदी में काम करने के लिए उन्हें प्रेरित व प्रोत्साहित किया जाता है। फलस्वरूप वे हिंदी में कार्य करने के प्रति प्रोत्साहित होते हैं। पमरे मुख्यालय, राजभाषा विभाग द्वारा दैनिक मोटीवेशन कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए मोटीवेट किया जाता है।

पत्रिका प्रकाशन- राजभाषा पत्रिकाएं हिंदी प्रयोग-प्रसार का एक सशक्त माध्यम होती हैं जिनके माध्यम से भारत सरकार की राजभाषा नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी पाठकों तक सुगमता पूर्वक पहुँचाई जाती है। मुख्यालय सहित जबलपुर,भोपाल एवं कोटा मंडल तथा भोपाल एवं कोटा कारखानों द्वारा विभागीय पत्रिकाओं का नियमित रूप से प्रकाशन किया जाता है।

इस प्रकार पश्चिम मध्य रेलवे का राजभाषा विभाग राजभाषा प्रयोग-प्रसार हेतु सतत प्रयत्नशील है।

प्रभाकर भूषण
वरिष्ठ अनुवादक, मुख्यालय

26 जनवरी 1950 को संविधान के लागू होते ही हिंदी को भारत संघ की 'राजभाषा' घोषित किया गया।

संसदीय राजभाषा समिति की पश्चिम मध्य रेलवे के कार्यालयों के साथ निरीक्षण बैठकें

पश्चिम मध्य रेलवे के गठन अर्थात् 01 अप्रैल 2003 के बाद संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा इस रेलवे के विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया गया है। चूँकि यह एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति है। अत: इस समिति के निरीक्षण संबंधी उत्तरदायित्वों का निर्वहन सावधानीपूर्वक करना आवश्यक है। इस समिति द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे के विभिन्न कार्यालयों के साथ समय-समय पर अब तक की गई निरीक्षण बैठकों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है –

1. महाप्रबधक कार्यालय, मुख्यालय, जबलपुर : संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा दिनांक 18.09.2006 को पश्चिम मध्ज्य रेलवे, मुख्यालय, जबलपुर का निरीक्षण किया गया। तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री महीप कपूर के मार्गदर्शन में यह निरीक्षण बैठक संपन्न हुई जिसमें समिति के माननीय संयोजक डॉ. लक्ष्मी नारायण पाण्डेय सहित 04 सांसदों ने भाग लिया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा एक भव्ज्य राजभाषा प्रदर्शनी लगाई गई। इस निरीक्षण बैठक में माननीय समिति द्वारा महाप्रबंधक महोदय से प्रणाली मानचित्र, दुर्घटना नियमावली तथा पश्चिम मध्य रेलवे सामान्य एवं सहायक नियमावली के द्विभाषीकरण तथा अन्य विविध मदों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने संबंधी आश्वासन लिए गए। यह उल्लेखनीय है कि पश्चिम मध्य रेलवे ने उक्त सभी आश्वासन निर्धारित अवधि अर्थात छ: माह के भीतर पूर्ण कर उल्लेखनीय एवं अनुकरणीय मिसाल कायम की। इस हेतु तत्कालीन महाप्रबंधक श्री महीप कपूर द्वारा 25 हजार रूपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस बैठक में मुख्यालय के विभाग प्रमुख, गृह मंत्रालय तथा रेल मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल हुए।

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य समिति द्वारा दिनांक 13.09.2012 को महाप्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे के साथ दूसरी निरीक्षण बैठक संपन्न हुई।। समिति के दो दिवसीय कार्यक्रम में दिनांक 13.08.2012 को जबलपुर स्थित केंद्रीय सरकार के 14 कार्यालय शामिल हुए जबकि दिनांक 14.09.2012 को बैंकों, उपक्रमों तथा निगमों के कुल 12 कार्यालय शामिल हुए। पश्चिम मध्य रेलवे के तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री सुनील वी. आर्या सहित प्रमुख विभागाध्यक्षों ने इस बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान माननीय सदस्यों द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की सराहना की गई तथा इस बैठक में शामिल केंद्रीय सरकार के अन्य कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधानों से रेलवे द्वारा किये जा रहे कार्यों का अनुसरण करने के निर्देश प्रदान किये गये जो कि पश्चिम मध्य रेलवे के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

इसके बाद तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री सुनील वी. आर्या के कुशल नेतृत्व में दिनांक 07.02.2013 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी निरीक्षण बैठक संपन्न हुई। इस निरीक्षण बैठक में तत्कालीन मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री सुनील कुमार बाजपेयी सहित पश्चिम मध्य रेलवे, मुख्यालय के समस्त विभाग प्रमुख, गृह मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल हुए। संसदीय राजभाषा समिति की बैठक माननीय सांसद श्री रघुनन्दन शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में पश्चिम मध्य रेलवे,मुख्यालय द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली तथा इस अवसर पर आयोजित राजभाषा प्रदर्शनी की माननीय समिति सदस्यों द्वारा भूरि- भूरि प्रशंसा की गई।

अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार भारत संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी तथा अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप है।

माननीय समिति की सिफारिश पर रेलवे बोर्ड द्वारा इस सफल आयोजन के लिए पश्चिम मध्य रेल को 25 हजार रूपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा महाप्रबंधक महोदय द्वारा 2500/- रूपये के दो व्यक्तिगत तथा 10,000/- रूपये का एक सामूहिक पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

1. जबलपुर मंडल : केंद्रीय कार्यालयों में राजभाषा प्रयोग-प्रसार की समीक्षा करने वाली राजभाषा की सर्वोच्च अधिकार प्राप्त समिति की वर्ष 2006 में जबलपुर मंडल कार्यालय के साथ निरीक्षण बैठक सम्पन्न हुई जिसमें माननीय समिति सदस्यों ने मंडल पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। वर्ष 2014 में रेल हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्य श्री इरफान खान ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय एवं जबलपुर रेलवे स्टेशन का तथा दिनांक 20.01.2024 को संयुक्त निदेशक (राजभाषा) श्री रिसाल सिंह द्वारा जबलपुर रेलवे स्टेशन के विभिन्न कार्यालयों में राजभाषा प्रगति का निरीक्षण किया और उन्होंने भी राजभाषा प्रगति पर खुशी जाहिर की।

1. भोपाल मंडल : संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा दिनांक 29.06.2005 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, भोपाल का निरीक्षण किया गया। तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक, श्री देवी प्रसाद पाण्डे तथा तत्कालीन अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री अनिल कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में तैयार निरीक्षण प्रश्नावली तथा राजभाषा प्रदर्शनी में प्रस्तुत सामग्री की समिति सदस्यों द्वारा सराहना की गई। संसदीय राजभाषा समिति के माननीय संयोजक, डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय एवं माननीय सदस्यों ने भोपाल मंडल की पावर प्वांइट प्रस्तुति और राजभाषा कार्यों की सराहना की।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा दिनांक 06.02.2013 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, भोपाल का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण बैठक तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक, श्री राजीव चौधरी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। इस निरीक्षण बैठक में पश्चिम मध्य रेलवे, मुख्यालय के तत्कालीन मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री सुनील कुमार बाजपेयी सहित गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल हुए।

इसी प्रकार दिनांक 22.10.2022 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, भोपाल तथा मंडल के अधीन रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, रेल भर्ती बोर्ड एवं सडिपुका, भोपाल के कार्यालयों की संसदीय राजभाषा समिति के साथ निरीक्षण बैठक सम्पन्न हुई। यह निरीक्षण बैठक श्री दुर्गादास उइके के संयोजन एवं समिति सदस्य श्रीमती संगीता यादव की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्यालय के तत्कालीन मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर महाप्रबंधक, श्री शोभन चौधुरी, तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक, श्री सौरभ बंदोपाध्याय, श्रीमती रश्मि दिवाकर, अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री सुधीर कुमार कार्यकारी निदेशक, रेल मंत्रालय, डॉ. वरूण कुमार, निदेशक (राजभाषा) और मुख्यालय एवं मंडल के राजभाषा अधिकारी शामिल हुए। समिति भोपाल मंडल द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के साथ-साथ राजभाषा प्रदर्शनी की भी सराहना की।

3. कोटा मंडल का भरतपुर स्टेशन : माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा दिनांक 20.09.2006 को पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के अधीन स्थित भरतपुर रेलवे स्टेशन का राजभाषा प्रगति निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण बैठक में कोटा

राजभाषा नियम 1976 तमिलनाडु राज्य पर लागू नहीं है।

मंडल के तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक, श्री के.के. अटल, अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री एम.बी.विजय, पश्चिम मध्य रेल के तत्कालीन मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री वी.एन.त्रिपाठी सहित कोटा मंडल के शाखा प्रमुख शामिल हुए। माननीय संसदीय समिति के संयोजक एवं सदस्यों ने मंडल पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए किये जा रहे प्रयासों पर खुशी जाहिर करते हुए मुक्त कंठ से सराहना की।

इसी प्रकार दिनांक 05.05.2022 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी के संयोजन में माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, कोटा का निरीक्षण किया गया। बैठक में माननीय सांसदगण श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह, श्री दुर्गादास उइके एवं श्री प्रदीप टम्टा तथा रेलवे की ओर से अपर महाप्रबंधक, प.म.रे, श्री शोभन चौधुरी, श्री पंकज शर्मा मं.रे.प्र. कोटा,श्री राघवेंद्र सारस्वत अ.मं.रे.प्र. कोटा, श्री मनोज कुमार राम कार्यकारी निदेशक, (रेल मंत्रालय), डॉ. बरुण कुमार, निदेशक (राजभाषा), राजभाषा अधिकारी प्रधान कार्यालय, जबलपुर एवं राजभाषा अधिकारी (प्रभारी), कोटा उपस्थित रहे। निरीक्षण बैठक के दौरान समिति संयोजक एवं अन्य सदस्यों ने मंडल पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु किए जा रहे सकारात्मक उपायों की सराहना की।

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना भोपाल-दिनांक 22.10.2022 को मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय , भोपाल के साथ संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण बैठक सम्पन्न हुई। यह निरीक्षण बैठक तत्कालीन मुख्य कारखाना प्रबंधक, श्री सी.बेटगेरी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस निरीक्षण बैठक में पश्चिम मध्य रेल, मुख्यालय के तत्कालीन मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी सहित गृह मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। समिति के माननीय संयोजक श्री दुर्गादास उइके एवं माननीय समिति सदस्य श्रीमती संगीता यादव ने कारखाना में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु किए गए उपायों की सराहना की।

माल डिब्बा मरम्मत कारखाना कोटा -दिनांक 05.05.2022 को दिल्ली के विज्ञान भवन में मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, (माडिमका), कोटा के साथ संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण बैठक सम्पन्न हुई। यह निरीक्षण बैठक तत्कालीन मुख्य कारखाना प्रबंधक, श्री मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस निरीक्षण बैठक में समिति संयोजक श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी एवं समिति सदस्य श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह, श्री दुर्गादास उइके एवं श्री प्रदीप टम्टा उपस्थित थे। इस बैठक में रेलवे की ओर से श्री मनोज कुमार राम, कार्यकारी निदेशक, रेल मंत्रालय, पश्चिम मध्य रेल, मुख्यालय के तत्कालीन मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी, डॉ. बरूण कुमार, निदेशक (राजभाषा) श्री प्रज्ञेश निंबालकर, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, मडिमका सहित राजभाषा अधिकारी मुख्यालय, जबलपुर एवं कारखाना के प्रभारी राजभाषा अधिकारी भी शामिल हुए। समिति की माननीय संयोजक श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी जी एवं अन्य समिति सदस्यों ने कारखाना में संघ की राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन एवं राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु किए गए कार्यों की सराहना की।

इस प्रकार पश्चिम मध्य रेलवे के गठन के उपरांत संसदीय राजभाषा समिति की उपरोक्त निरीक्षण बैठकों का इस रेलवे पर सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्रभाकर भूषण
वरिष्ठ अनुवादक, मुख्यालय

संविधान के भाग 17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक संघ की भाषा संबंधी प्रावधान हैं।

पमरे के राजभाषा स्वर्ण एवं रजत पदक विजेता रेल अधिकारी

भारतीय रेलों पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा विभिन्न पुरस्कार योजनाएं लागू हैं। इसी क्रम में महाप्रबंधक एवं उनसे वरिष्ठ अधिकारियों हेतु रेल मंत्रालय द्वारा 'कमलापति त्रिपाठी एवं वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड एवं उनसे ऊपर के स्तर के अधिकारियों को रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित करने की परंपरा है। ये पदक उन उच्चाधिकारियों को प्रदान किये जाते हैं जिनका अपने कार्य क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने में उत्कृष्ट योगदान रहता है तथा जो अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में काम करने की प्रेरणा देने के अलावा स्वयं भी हिंदी में काम करते हैं। इसके अंतर्गत राजभाषा स्वर्ण पदक हेतु रूपये 10,000 की नगद राशि, स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र तथा रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक हेतु 8000 रूपये की नगद राशि, रजत पदक एवं प्रशस्ति पत्र पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाता है।

कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक विजेता अधिकारीगण

1. **श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह**, महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे - 2019
2. **श्री सुधीर कुमार गुप्ता**, महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे - 2022

रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक विजेता अधिकारीगण

1. **श्री मंगल बिहारी विजय**, अपर मंडल रेल प्रबंधक, कोटा - 2007
2. **श्री रामचंद राय**, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी - 2008
3. **श्री बी.एन. मीना**, मुख्य कार्मिक अधिकारी - 2009
4. **श्री बी. देवा सिंह**, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक - 2010
5. **श्री बी. के. रहेजा**, मुख्य विद्युत इंजीनियर - 2010
6. **श्री अमिताभ निगम**, अपर मंडल रेल प्रबंधक, जबलपुर - 2011
7. **श्री अनिल कुमार गुप्ता**, मंडल रेल प्रबंधक, जबलपुर - 2012
8. **श्री राम गोपाल**, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक - 2013
9. **श्री नंदकिशोर**, मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशा) - 2014
10. **श्री आर. डी. मीना**, मुख्य यातायात प्रबंधक - 2015
11. **श्री पी. के. बी. मेश्राम**, अपर मंडल रेल प्रबंधक, कोटा - 2016
12. **श्री नवल किशोर श्रीवास्तव**, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी (नि.) - 2017
13. **श्री राजेश अर्गल**, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) - 2018
14. **श्री शोभन चौधुरी**, अपर महाप्रबंधक - 2019
15. **श्री सुरेन्द्र पाल माही**, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी - 2020
16. **श्री रवि शंकर सक्सेना**, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर - 2021
17. **श्री संजीव तिवारी**, मु.सि.एवं दू.सं. इंजी. (योजना एवं अभिकल्प) - 2022

विपुल कुमार मंडल
वरिष्ठ अनुवादक, मुख्यालय

अनुच्छेद 344 के अनुसरण में 1955 में श्री बी.जी.खेर की अध्यक्षता में प्रथम 'राजभाषा आयोग' का गठन किया गया।

रेलवे बोर्ड की व्यक्तिगत पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारी एवं कर्मचारी

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)द्वारा सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक एवं प्रशंसनीय प्रयोग करने वाले रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष प्रत्येक रेलवे/उत्पादन कारखानों के लिए निर्धारित कोटे के अनुसार इस रेलवे के एक अधिकारी एवं तीन कर्मचारियों को पुरस्कार के रूप में 3 - 3 हजार रुपए की राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं।

इस योजना के अंतर्गत लिपिक वर्गीय कर्मचारियों से कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर तक के अधिकारियों की अनुशंसा इस आधार पर भेजी जा सकती है कि अहिंदी भाषी अधिकारी/कर्मचारी कम से कम अपना 50% तथा हिंदी भाषी अधिकारी/ कर्मचारी कम से कम अपना 75% कार्य हिंदी में करते हों। पश्चिम मध्य रेल के गठन के बाद से अब तक इस योजना के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारियों/ कर्मचारियों की सूची निम्नानुसार है-

आधार वर्ष 2003

श्री राजीव सक्सेना - उप भंडार नियंत्रक, मुख्यालय
श्री वी.के.शर्मा - मुख्य कार्यालय अधीक्षक, कोटा
श्री कौशिक सेन गुप्ता - वरिष्ठ लिपिक, जबलपुर
श्रीमती संजना हीरा - प्रधान लिपिक, भोपाल मंडल

आधार वर्ष 2004

श्री विजय भटनागर - मंडल वाणिज्य प्रबंधक, भोपाल
श्री आर.एन.सुनकर - उप मु. इंजीनियर (पुल), मुख्यालय
श्री टी. के. दास - कार्यालय अधीक्षक, मडिमका, कोटा
श्री सी.आर.अंत्रीवाले - वरि. से. इंजी., सडिपुका, भोपाल
श्री पी. के. जैन - सहायक यार्ड मास्टर, भोपाल मंडल
श्री मधुसूदन - वरि.मं.सि.एवं दूर. इंजी., भोपाल

आधार वर्ष 2005

- कोई पुरस्कृत नहीं।

आधार वर्ष 2006

श्री शोभन चौधुरी - वरि.मं.सि.एवं दूर सं.इंजी., जबलपुर
श्री भीमसेन गौतम - प्रधान लिपिक, भोपाल मंडल
श्री दिलीप सिंह - वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी, कोटा
श्री वेद प्रकाश - लेखा सहायक, मुख्यालय

आधार वर्ष 2007

श्री मनोज जैन - वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, कोटा
श्रीमती जॉली जॉनसन - अंग्रेजी आशुलिपिक, भोपाल
श्री मोहम्मद सलीम - प्रधान लिपिक, सडिपुका, भोपाल
श्री दुर्गा सिंह पटेल - मुख्य कार्यालय निरीक्षक, जबलपुर
श्री नरेश वाथरे - सहा. परि. प्रबंधक, मुख्यालय
श्री दिनेश रिछारिया - स्टेशन मास्टर, इटारसी

आधार वर्ष 2008

श्री मुकेश गुप्ता - स. वा. प्र., जबलपुर मंडल
श्रीमती रेनू सिंह - प्रवर लिपिक, भोपाल मंडल
श्री मुकेश साहू - प्रधान लिपिक, जबलपुर मंडल
श्री ज्ञान सिंह हल्दिया - वरि. अनु. अधिकारी, मुख्यालय

आधार वर्ष 2009

श्री उमेश बलौंदा - सचिव/ महाप्रबंधक
श्री संतोष कुमार - निजी सहायक मुख्यालय
श्री धनंजय सिंह - प्रधान लिपिक, कोटा कारखाना
श्री वी. पी. सिंह - गार्ड, भोपाल मंडल

राजभाषा पर वार्षिक कार्यक्रम गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी किया जाता है।

आधार वर्ष 2010

श्री असीम कुमार - वरि. मं. सुरक्षा अधिकारी, जबलपुर
श्री मृत्युंजय कुमार - सतर्कता निरीक्षक, मुख्यालय
श्री राकेश कुमार - वरिष्ठ आशु, लेखा, मुख्यालय
श्री उमेश विश्वकर्मा - कार्यालय अधीक्षक, मुख्यालय

आधार वर्ष 2011

श्री ए.के. अग्निहोत्री - वरि. मं. सु. अधिकारी, भोपाल
श्री एस. कुमार गौतम - मु. कार्या. अधी., परिचालन
श्री एन. पी. चौरे - लेखा सहायक, भोपाल मंडल
श्री मिथिलेश कुमार मौर्य- अवर लिपिक, सतर्कता, मुख्यालय

आधार वर्ष 2012

श्री ए.सी. नायर - निजी सचिव, महाप्रबंधक
श्री पी.आर.बहादुर - मु. कार्यालय अधीक्षक, भोपाल
श्री सुनील कुमार नेमा - कार्यालय अधीक्षक, जबलपुर
श्री सी. एल. विश्वकर्मा - वरि. से. इंजी., यांत्रिक., मुख्यालय

आधार वर्ष 2013

श्री संजय कुमार ओसवाल - वरि.सतर्कता अधि., मुख्यालय
श्री बिन्द्रावन यादव - वरिष्ठ लिपिक, परि. मुख्यालय
श्री डी.के. शुक्ला - मु. का. अधी., वाणि., मुख्यालय
श्री चितरंजन प्रसाद सिंह - अवर लिपिक, कार्मिक मुख्यालय

आधार वर्ष 2014

श्री एन. डी. गांगुर्डे - वरि. मं. का. अधि., भोपाल
श्री आर. आर. नायर - आशुलिपिक, भोपाल मंडल
श्रीमती सोनिका खरे - कार्या. अधी., रे.भर्ती बोर्ड, भोपाल
श्री अशोक कुमार गोहिया - कार्या. अधी., मडिमका, कोटा

आधार वर्ष 2015

श्री अरुण कुमार शर्मा - वरि. सतर्कता अधि., मुख्यालय
श्री ओम प्रकाश बिंजवे - स्टे. प्र., बनखेड़ी, जबलपुर मंडल
श्री राम सिंह मीना - कार्यालय अधीक्षक, कोटा मंडल
श्री रमेश देवतले - अवर लिपिक, सडिपुका,भोपाल

आधार वर्ष 2016

श्री खेम चंद कर्दम - स्टेशन निदेशक, कोटा मंडल
श्री गजनफर आलम - कार्या. अधीक्षक, भंडार, मुख्यालय
श्री प्रशांत कुमार अहिरवार - वरि.अनु.अधि.,लेखा, मुख्यालय
श्रीमती सीमा अग्रवाल - कार्यालय अधीक्षक, भोपाल मंडल

आधार वर्ष 2017

श्री रविंद्र कुमार - निजी सचिव, संरक्षा, मुख्यालय
श्रीमती मीना पी.बाखरू- मु.कार्या.अधी., कार्मिक, मुख्यालय
श्रीमती सरिता बघेल - उप निरीक्षक, सुरक्षा, मुख्यालय
श्री टी. के. दास - मु.कार्या.अधी., मडिमका, कोटा

आधार वर्ष 2018

श्री पंकज शर्मा - उप मु.सा. प्र., भंडार, मुख्यालय
श्री मोहम्मद सादिक - वरि.प्रचार निरी., जबलपुर मंडल
श्री श्रीनिवासन - कार्यालय अधीक्षक, भोपाल मंडल
श्री भानु प्रताप सिंह - सीनि.सेक्शन इंजी., कोटा मंडल

आधार वर्ष 2019

श्री राहुल पचौरी - वरि.मं. वि. इंजी., कोटा मंडल
श्री विजय सिंह सोलंकी - कार्या.अधी.सडिपुका,भोपाल
श्री आशीष कुमार परदेशी- कर्म.कल्याण निरी., भोपाल मंडल
श्री सुधीर कुमार जैन - कार्या. अधी. मुख्यालय, जबलपुर

आधार वर्ष 2020

श्री अरूण त्रिपाठी - वरि.मं. सु.आयुक्त, जबलपुर मंडल
श्री महेश कुमार - वरिष्ठ सहायक वित्त सलाहकार, मुख्यालय
श्री महेन्द्र सिंह - मु.कार्या. अधी. माडिमका, कोटा
श्रीमती दीपा दे चौधुरी - कार्या. अधी. भोपाल मंडल

बिपुल कुमार मंडल
कनिष्ठ अनुवादक, मुख्यालय

केंद्रीय हिंदी समिति के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं।

रेलवे बोर्ड स्तर पर प्राप्त शील्ड एवं ट्राफी

रेल मंत्री राजभाषा शील्ड	-	2014	-	डीजल शेड, इटारसी
रेल मंत्री राजभाषा शील्ड	-	2015	-	विद्युत लोको शेड, तुगलकाबाद
रेल मंत्री राजभाषा शील्ड	-	2016	-	डीजल लोको शेड, कटनी
रेल मंत्री राजभाषा शील्ड	-	2017	-	विद्युत लोको शेड, इटारसी
रेल मंत्री राजभाषा शील्ड	-	2018	-	विद्युत लोको शेड, कटनी

आदर्श मंडल की आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी चल शील्ड -

कोटा मंडल - 2010, भोपाल मंडल -2018, जबलपुर मंडल - 2020

रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी - महाप्रबंधक कार्यालय - 2011, 2017

रेलवे बोर्ड की विभिन्न पुरस्कार योजनाओं के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारी एवं कर्मचारी

प्रेमचंद पुरस्कार

2008 -	श्री शरद उपाध्याय, कार्यालय अधीक्षक, कोटा मंडल	-	द्वितीय पुरस्कार
2009 -	श्री के.एल. पाण्डेय, मुख्य परिचालन प्रबंधक, मुख्यालय	-	तृतीय पुरस्कार
2010 -	श्री शरद उपाध्याय, कार्यालय अधीक्षक, - कोटा मंडल	-	प्रथम पुरस्कार
2013 -	श्री रघुराज सिंह कर्मयोगी, से.नि., सहायक निर्माण प्रबंधक	-	तृतीय पुरस्कार
2014 -	श्री कुंदन कुमार, मुख्य कारखाना प्रबंधक, कोटा	-	प्रथम पुरस्कार
2015 -	श्री शरद उपाध्याय, कार्यालय अधीक्षक, कोटा मंडल	-	द्वितीय पुरस्कार
2019 -	श्री शरद उपाध्याय, कार्यालय अधीक्षक, कोटा मंडल	-	प्रथम पुरस्कार
2020 -	श्री घनश्याम मैथिल, वरि. तक., सडिपुका, भोपाल	-	द्वितीय पुरस्कार
2022 -	श्री सतीश चंद्र श्रीवास्तव, वरि. तक., सडिपुका, भोपाल	-	प्रथम पुरस्कार

मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार

2013 -	श्री अरुण श्रीवास्तव, वरिष्ज़्ठ कार्मिक अधिकारी	-	प्रथम पुरस्कार
2014 -	श्री कमल किशोर दुबे, जनसंपर्क अधिकारी	-	तृतीय पुरस्कार
2015 -	श्री ज्योति खरे-एमसीएम, डीजल लोको शेड, कटनी	-	प्रथम पुरस्कार
2016 -	श्री संत कुमार मालवीय, वरिष्ठ तकनीशियन, सडिपुका, भोपाल	-	द्वितीय पुरस्कार
2019 -	श्री प्रमोद कुमार भटट, मु.टि. निरी. जबलपुर मंडल	-	द्वितीय पुरस्कार
2020 -	श्री बसंत कुमार शर्मा, उप.मु. सतर्कता अधि. मुख्यालय	-	द्वितीय पुरस्कार

अनुच्छेद 344 के अनुसार राजभाषा आयोग एवं संसदीय राजभाषा समिति का गठन किया गया है।

लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक पुस्तक लेखन पुस्तक

2003 -	श्री के.पी.यादव, सहा.मं.यां. इंजी. भोपाल मंडल	- प्रथम पुरस्कार
2010 -	श्री नीरज दुबे, उप सचिव, गोपनीय	- द्वितीय पुरस्कार
2014 -	डॉ. मुहम्मद शमशाद, टिकट निरीक्षक	- तृतीय पुरस्कार
2017 -	श्री नितिन मराठे, मुख्य लोको निरीक्षक, भोपाल	- तृतीय पुरस्कार
2019 -	श्री अजय कुमार ताम्रकार, वरि.मं.यां.इंजी., भोपाल मंडल	- प्रथम पुरस्कार
2020 -	श्री रघुराज सिंह, सेवा निवृत-सहा.मं.यां.इंजी, कोटा मंडल	- प्रथम पुरस्कार

रेल मंत्री हिंदी निबंध प्रतियोगिता

2008 -	श्री नीरज दुबे, उप सचिव, गोपनीय	- प्रथम पुरस्कार
2014 -	श्री नीरज दुबे, उप सचिव, गोपनीय	- प्रथम पुरस्कार
2016 -	श्री कमल किशोर दुबे, जनसंपर्क अधिकारी	- प्रथम पुरस्कार
2016 -	श्री इंद्र नारायण बघेल, प्रधान आरक्षक	- द्वितीय पुरस्कार
2019 -	श्री संजीव तिवारी, वरि. मं. सि. एवं दू.सं. इंजी., भोपाल मंडल	- द्वितीय पुरस्कार

रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार

2013 -	श्रीमती भारती द्विवेदी	- तृतीय पुरस्कार
2014 -	श्री डी. के. शुक्ला, मुख्न्य कार्यालय अधीक्षक	- प्रथम पुरस्कार
2015 -	श्रीमती निर्मला शुक्ला	- तृतीय पुरस्कार
2016 -	श्री शरद उपाध्याय,कार्यालय अधीक्षक, कोटा मंडल	- द्वितीय पुरस्कार
	श्री शमशाद खान, वरिष्ठ अनुवादक	- तृतीय पुरस्कार
	श्री संजीव कुमार तिवारी, उप मु.सि. एवं दूर संचार इंजी.	- प्रेरणा पुरस्कार
2019 -	इंजी. आशा शर्मा	- प्रेरणा पुरस्कार
	श्रीमती कविता सिंह	- प्रेरणा पुरस्कार
2020 -	श्री बसंत कुमार शर्मा, उप.मु.सतर्कता अधि.मुख्यालय	- तृतीय पुरस्कार
2020 -	श्री शमशाद खान, वरि. अनुवादक, कोटा कारखाना	- प्रेरणा पुरस्कार
2022 -	श्री संजीव तिवारी, मु. सि. एवं दू.सं. इंजी., मुख्यालय	- प्रेरणा पुरस्कार
2022 -	श्री शरद उपाध्याय, सेवानिवृत्त, कार्यालय अधीक्षक, कोटा मंडल	- प्रेरणा पुरस्कार

92वें संविधान संशोधन (2003) द्वारा 8वीं अनुसूची में चार नई भाषाएं मैथिली, संथाली, बोड़ो और डोंगरी जोड़ी गई है।

अखिल रेल हिंदी निबंध, वाक् तथा टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिताएं

2005 –	टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता –	श्री अजय भालेराव, मुख्य टिकिट निरीक्षक	– प्रथम पुरस्कार
	वाक् प्रतियोगिता –	श्री राधे श्याम मालवीय	– प्रथम पुरस्कार
	निबंध प्रतियोगिता –	श्री राजा राय, वरिष्ठ लिपिक	– द्वितीय पुरस्कार
2006 –	टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता –	श्री पी.के.विश्वकर्मा, आशुलिपि, जबलपुर मंडल	– प्रेरणा पुरस्कार
		श्री अजय कुमार, लेखा सहायक, मुख्यालय	– प्रेरणा पुरस्कार
	वाक् प्रतियोगिता –	श्री आर.यू.केकरे, प्रवर लिपिक, भोपाल मंडल	– प्रेरणा पुरस्कार
	निबंध प्रतियोगिता	श्री इंद्रपाल सिंह मल्होत्रा, प्रवर लिपिक, मुख्यालय	– प्रेरणा पुरस्कार
2007 –	टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता –	श्री राजेन्द्र सिंह यादव, संचालन निरीक्षक, भोपाल मंडल	– प्रेरणा पुरस्कार
2012 –	निबंध प्रतियोगिता –	श्री घनश्याम मैथिल, तक.– I सडिपुका, भोपाल	– प्रेरणा पुरस्कार
2013 –	वाक् प्रतियोगिता –	सुश्री दीपा सिंह, कार्यालय अधीक्षक, मुख्यालय	– प्रथम पुरस्कार
		श्री कौशिक सेनगुप्ता, प्रवर लिपिक, मुख्यालय	– प्रेरणा पुरस्कार
2014 –	टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता –	श्री डी. के. शुक्ला, मुख्य कार्यालय अधीक्षक	– तृतीय पुरस्कार
	वाक् प्रतियोगिता –	श्री कौशिक सेनगुप्ता, प्रवर लिपिक, मुख्यालय	– प्रेरणा पुरस्कार
		श्री राजा राय, कार्यालय अधीक्षक, मुख्यालय	– प्रेरणा पुरस्कार
2015 –	टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता –	श्री रमेश कुमार, कार्यालय अधीक्षक, मुख्यालय	– प्रेरणा पुरस्कार
2016 –	निबंध प्रतियोगिता –	श्री संत कुमार मालवीय, वरि. तक., भोपाल कारखाना	– प्रथम पुरस्कार
		श्रीमती मनीषा श्रीवास्तव, आशुलिपिक, भोपाल मंडल	– प्रेरणा पुरस्कार
	टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता–	श्री डी.के शुक्ला, मु. कार्या. अधीक्षक,वाणिज्य, मुख्यालय	– द्वितीय पुरस्कार
	वाक् प्रतियोगिता –	श्री सत्य मित्र चौहान, मु. कार्या. अधीक्षक, भोपाल मंडल	– द्वितीय पुरस्कार
2017 –	टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता–	श्री अमित कांत समाधिया, मुख्यालय	– तृतीय पुरस्कार
	वाक् प्रतियोगिता –	श्री सर्वेश पाण्डेय, मुख्यालय	– प्रेरणा पुरस्कार
2018 –	टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता –	श्री रमेश कुमार, कार्यालय अधीक्षक, मुख्यालय	– तृतीय पुरस्कार
2018 –	हिंदी निबंध प्रतियोगिता –	श्री रवि शंकर,तक.– I, सडिपुका, भोपाल	– प्रेरणा पुरस्कार
2023 –	टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता –	श्री रमेश कुमार, मुख्य कार्यालय अधीक्षक, मुख्यालय	– प्रथम पुरस्कार

बिपुल कुमार मंडल
कनिष्ठ अनुवादक, मुख्यालय

राजभाषा नियम 1976 में अब तक वर्ष 1987, 2007 एवं 2011 में कुल 3 बार संशोधन हुआ है।

पश्चिम मध्य रेलवे के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी

क्र.सं.	अधिकारी का नाम (सर्वश्री)	कार्यकाल	
		से	तक
01	एम.के.सिंह	31.10.2003	12.12.2004
02	आर.एन.सुनकर	13.12.2004	12.04.2006
03	अजय कुमार	13.04.2006	27.07.2007
04	राजेश पाठक	09.08.2007	29.01.2009
05	दीपक कुमार गुप्ता	24.02.2009	10.01.2011
06	एस.डी.पाटीदार	12.01.2011	11.01.2014
07	सचिन शुक्ला	12.01.2014	30.06.2018
08	बसंत कुमार शर्मा	01.07.2018	26.04.2019
09	रोहित कुमार निरंजन	01.05.2019	30.04.2019
10	सुवीर श्रीवास्तव	01.06.2020	31.05.2021
11	राहुल श्रीवास्तव	01.06.2021	30.09.2021
12	बसंत कुमार शर्मा	01.10.2021	30.09.2022
13	यू.के.सिंह	10.10.2022	31.07.2023
14	महेश कुमार	01.08.2023	31.07.2024
15	प्रज्ञेश निंबालकर	01.08.2024	निरंतर ......

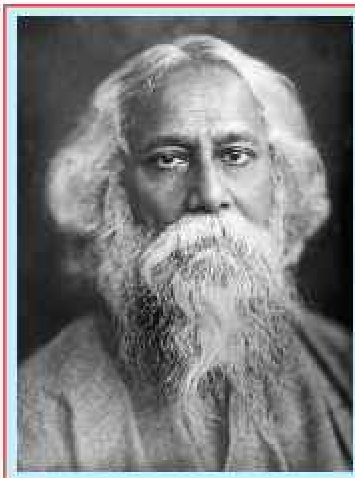

आधुनिक भारत की संस्कृति एक विकसित शतदल कमल के समान है, जिसका एक-एक दल, एक-एक प्रांतीय भाषा और उसकी साहित्य संस्कृति है। किसी एक को मिटा देने से उस कमल की शोभा ही नष्ट हो जायेगी। हम चाहते हैं कि भारत की सब प्रांतीय बोलियां जिनमें सुंदर साहित्य की रचना हुई है, अपने-अपने घर में (प्रांत में) रानी बनकर रहें, प्रांत के जन-गण की हार्दिक चिंता की प्रकाश भूमि स्वरूप कविता की भाषा होकर रहे और आधुनिक भाषाओं के हार की मध्यमणि हिंदी भारत भारती होकर बिराजती रहे।

– गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर

संघ की राजभाषा नीति संबंधी जानकारी देने वाले अनुच्छेद 343 से 351 संविधान के भाग 17 में है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के दिनांक 22.11.1976 के का.ज्ञा.सं. 1/14011/12/76-रा.भा. (का-1) के अनुसार देश के उन सभी नगरों में जहां केंद्रीय सरकार के 10 या इससे अधिक कार्यालय हों, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। समिति का गठन राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर भारत सरकार के सचिव(राजभाषा) की अनुमति से किया जाता है। इन समितियों की अध्यक्षता नगर विशेष में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, निगमों एवं संस्थानों आदि के वरिष्ठतम अधिकारियों में से किसी एक के द्वारा की जाती है। अध्यक्ष को राजभाषा विभाग द्वारा नामित किया जाता है । नामित किए जाने से पूर्व प्रस्तावित अध्यक्ष से समिति की अध्यक्षता के संबंध में लिखित सहमति प्राप्त की जाती है। नगर में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यलय, उपक्रम, निगम, बैंक एवं संस्थान आदि इस समिति के सदस्य होते हैं तथा इन संस्थानों के प्रशासनिक प्रधानों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे समिति की बैठकों में नियमित रूप से भाग लें। इन समितियों की वर्ष में दो बैठकें आयोजित की जाती हैं। गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा समिति की बैठकें आयोजित करने के लिए एक कैलेंडर बनाया जाता है जिसमें प्रत्येक बैठक हेतु एक निश्चित महीना निर्धारित किया जाता है। इन बैठकों के आयोजन संबंधी सूचना समिति के गठन के समय दी जाती है और निर्धारित महीनों में समिति को अपनी बैठकें आयोजित करनी होती हैं। इन समितियों की बैठकों में नगर विशेष में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि के प्रशासनिक प्रधान भाग लेते हैं। नगर स्थित केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद की शाखाओं में से किसी एक प्रतिनिधि एवं हिंदी शिक्षण योजना के किसी एक अधिकारी को भी बैठक में आमंत्रित किया जाता है ।

दिनांक 24.07.2024 को आयोजित नराकास की 14वीं बैठक के दौरान अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल

नराकास समिति के गठन का उद्देश्य केंद्रीय सरकार के देश भर में फैले हुए कार्यालयों, उपक्रमों, निगमों एवं संस्थानों आदि में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन और राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त मंच प्रदान करना है। इस समिति की बैठकों के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, बैंको, निगमों एवं संस्थानों आदि के कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा करना और राजभाषा के प्रागामी प्रयोग के मार्ग में आ रही कठिनाइयों को दूर करना है।

इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के दिनांक 02.10.2015 के पत्र संख्या 12014 / 13 / 2015 -राभा (का-2) द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार जबलपुर स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों की नराकास समिति को विभाजित करके दो नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के गठन का निर्णय लिया गया है। इस नवगठित नराकास के अध्यक्ष का दायित्व महाप्रबंधक कार्यालय, पमरे को सौंपा गया है। वर्तमान में इस समिति के अंतर्गत 45 केन्द्रीय सरकार के कार्यालय शामिल हैं। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, भोपाल द्वारा प्रेषित कार्यक्रम के अनुसार इस समिति की बैठक हेतु कलेण्डर वर्ष के जुलाई एवं दिसंबर माह निर्धारित किए गए हैं। इन बैठकों में सदस्य कार्यालयों द्वारा सचिवालय कार्यालय को प्रेषित तिमाही रिपोर्टों पर चर्चा की जाती है। वर्ष 2015 में समिति के गठन के उपरांत संपन्न हुई बैठकों का विवरण निम्नानुसार है-

क्रं.	अध्यक्ष का नाम (सर्वश्री)	बैठक तिथि	बैठक की अवधि	बैठक संख्या	अन्य कथन
1	रमेश चंद्रा	22.07.2016	सितंबर एवं दिसंबर - 2015	प्रथम	—
2	गिरीश पिल्लई	05.06.2017	सितंबर एवं दिसंबर- 2016	द्वितीय	—
3	गिरीश पिल्लई	13.12.2017	मार्च एवं जून- 2016	तृतीय	राजभाषा चल शील्ड प्रदान करने का निर्णय लिया गया
4	अजय विजयवर्गीय	05.12.2018	दिसंबर-2017 एवं जून-2018	चतुर्थ	नगर राजभाषा शील्ड प्रदान की गई एवं वार्षिक पत्रिका 'सरल' के प्रकाशन का निर्णय लिया गया
5	अंशुल गुप्ता	15.07.2019	सितंबर एवं दिसंबर-2018	पांचवी	वार्षिक पत्रिका 'सरल' के प्रथम अंक का विमोचन किया गया
6	शोभन चौधुरी	16.12.2019	मार्च एवं जून-2019	छठवीं	तीन कार्यालयों को नगर राजभाषा चल शील्ड प्रदान की गई।
7	शैलेन्द्र कुमार सिंह	18.12.2019	सितंबर एवं दिसंबर-2019 मार्च एवं जून 2020	सातवीं	वार्षिक पत्रिका 'सरल' के द्वितीय अंक का विमोचन किया गया
8	शैलेन्द्र कुमार सिंह	09.08.2021	सितंबर एवं दिसंबर-2020	आठवीं	वार्षिक अंशदान राशि रु. 2000 से बढ़ाकर रु. 5000 करने का निर्णय लिया गया
9	सुधीर कुमार गुप्ता	23.12.2021	मार्च एवं जून-2021	नवमीं	वार्षिक अंशदान राशि रु. 2000 से बढ़ाकर रु. 5000 की गई
10	सुधीर कुमार गुप्ता	29.07.2022	सितंबर एवं दिसंबर-2021	दसवीं	—
11	शोभन चौधुरी	16.12.2022	मार्च एवं जून-2022	ग्यारहवीं	सदस्य कार्यालयों को तीन शील्ड एवं तीन ट्राफी एवं चार प्रमाण पत्र प्रदान किये गये तथा वार्षिक पत्रिका सरल के तृतीय अंक का विमोचन किया गया।
12	सुधीर कुमार गुप्ता	27.07.2023	सितंबर एवं दिसंबर-2022	बारहवीं	—
13	रवि शंकर सक्सेना	29.12.2023	मार्च एवं जून-2023	तेरहवीं	सदस्य कार्यालयों को समग्र दक्षता शील्ड, राजभाषा शील्ड, राजभाषा ट्राफी, प्रेरणा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र सहित कुल 18 पुरस्कार प्रदान किये गये एवं वार्षिक पत्रिका सरल के चतुर्थ अंक का विमोचन किया गया।
14	श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय	24.07.2024	सितंबर एवं दिसंबर-2023	चौदहवीं	बैठक के दौरान दिये जाने वाले प्रेजेंटेशन की समय सीमा निर्धारित करने का निर्णय लिया गया

इस प्रकार अब तक नराकास कार्यालय क्रमांक 02, सचिवालय कार्यालय, पमरे द्वारा कुल 14 बैठकें सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं। इस समिति के माध्यम से सभी सदस्य कार्यालयों में राजभाषा प्रयोग-प्रसार की उत्तरोत्तर प्रगति हेतु हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। जबलपुर स्थित सभी कार्यालय 'क' क्षेत्र में स्थित हैं। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा 'क' क्षेत्र में स्थित सभी केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों के लिए अधिकांश मदों में शत-प्रतिशत हिंदी प्रयोग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अतः इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु हमारे सभी कार्यालय सतत् प्रयत्नशील हैं।

राकेश कुमार मालवीय
वरिष्ठ अनुवादक, मुख्यालय

राजभाषा अधिनियम 1963 का पूरा नाम 'राजभाषा अधिनियम 1963 (यथासंशोधित 1967) है।

हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन का मुख्य उद्देश्य सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए केन्द्रीय सरकार के सभी कर्मचारियों को इन कार्यशालाओं के माध्यम से हिंदी में प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सरकारी कामकाज में हिंदी में प्रयोग के लिए आवश्यक योग्यता प्रदान करना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, अपर महाप्रबंधक एवं तत्कालीन मुख्य राजभाषा अधिकारी, पमरे

इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों, उसके नियंत्रणाधीन उपक्रमों, निगमों, निकायों, राष्ट्रीयकृत बैंको में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने में आने वाली कठिनाईयों व झिझक को दूर करने के लिए केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान एवं केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में वर्ष 1985 से हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है।

पश्चिम मध्य रेलवे पर भी राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने तथा कर्मचारियों को हिंदी कार्य में आने वाली कठिनाईयों को दूर करने के उद्देश्य से इस रेलवे के गठन के साथ ही हिंदी कार्यशालाओं का नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यशालाओं में व्याख्याता के रूप में हिंदी का अच्छा ज्ञान रखने वाले व्याख्याताओं को आमंत्रित किया जाता है। साथ ही इन कार्यशालाओं में राजभाषा के अलावा भी अन्य विभागों जैसे- कार्मिक, सामान्य प्रशासन, लेखा आदि विभाग से संबंधित जानकारी भी प्रशिक्षणार्थियों को समय-समय पर उपलब्ध कराई जाती है तथा आवश्यक सहायक सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों में हिंदी कार्य के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से राजभाषा नीति से संबंधित प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है। जिसमें प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है। इसके अतिरिक्त कार्यशाला के समापन के अवसर पर कर्मचारियों को उनके दैनिक सरकारी कामकाज में सहायता हेतु एक पॉकेट डिक्शनरी भी वितरित की जाती है। पमरे के गठन से ही इस रेलवे पर प्रतिवर्ष गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्य अनुसार हिंदी कार्यशालाओं का नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यालय के अधिकांश कर्मचारी इस कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं तथा इस कार्यशाला से प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत वे अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग कर पा रहे हैं। इन कार्यशालाओं में प्रशिक्षित कर्मचारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे प्रशिक्षण के उपरांत अपने-अपने विभागों में अपना अधिकांश कार्य हिंदी में करें।

इस प्रकार पश्चिम मध्य रेलवे पर अब तक कुल 387 कार्यशालाओं में कुल 57,279 कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

राकेश कुमार मालवीय
वरिष्ठ अनुवादक, मुख्यालय

हिंदी कार्यशालाओं का उद्देश्य यही है कि जो कार्य आज अंग्रेजी में किया जा रहा है, आगे चल कर वह हिंदी में हो।

रेल हिंदी नाट्योत्सव

राजभाषा हिंदी के प्रयोग–प्रसार हेतु रेल मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष 'रेल हिंदी नाट्योत्सव प्रतियोगिता' का आयोजन किया जाता है। पमरे के गठन से लेकर अब तक इस प्रतियोगिता का विवरण इस प्रकार है :-

01. वर्ष 2005 में उदयपुर में आयोजित अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव प्रतियोगिता में पमरे द्वारा मंचित नाटक 'उजबक राजा तीन डकैत' को सशक्त प्रस्तुतिकरण के लिए तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। साथ ही श्री दविंदर सिंह,–टीटीई को सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

02. दिनांक 19.12.2006 से 2212.2006 तक डीजल रेल इंजन कारखाना, वाराणसी में आयोजित अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव प्रतियोगिता में पमरे के नाटक 'भेड़िया तंत्र' को द्वितीय पुरस्कार एवं सर्वश्रेष्ठ संगीत का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

03. दिनांक 02.04.2013 से 04.04.2013 तक क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर में आयोजित अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव में पमरे के नाटक 'बड़े भाई साहब' को सर्वश्रेष्ठ नाटक तथा नाटक के निर्देशक श्री के.एल. पांडे, तत्कालीन मुख्य परिचालन प्रबंधक को सर्वश्रेष्ठ निदेशक एवं श्री संजय गर्ग, कार्यालय अधीक्षक को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त हुआ। साथ ही साथ सर्वश्रेष्ठ ध्वनि एवं सर्वश्रेष्ठ प्रकाश परिकल्पना का पुरस्कार भी इस नाटक को प्राप्त हुआ।

04. उल्लेखनीय है कि 30.07.2013 को रेलवे बोर्ड में मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में नाटक 'बड़े भाई साहब' का मंचन किया गया। इस नाटक के मंचन हेतु तत्कालीन रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष महोदय द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे को रुपये 50 हजार के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

05. 25.08.2014 से 27.08.2014 तक रेल निलयम, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद में आयोजित अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव प्रतियोगिता में पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल द्वारा प्रस्तुत नाटक 'अभिज्ञान शाकुंतलम' को सर्वश्रेष्ठ नाटक से सम्मानित किया गया। इसी नाटक के लिए श्री चंदन मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ निदेशक से सम्मानित किया गया।

06. 08.01.2020 से 10.01.2020 तक पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर में आयोजित अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव प्रतियोगिता में पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा मंचित नाटक 'रख दे कोई जरा सी खाके वतन कफन में' को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

07. दिनांक 12.03.2023 से15.03.2023 तक रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला में आयोजित 'अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव' (आधार वर्ष 2022) में पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय नाटक दल द्वारा मंचित नाटक 'आधी हकीकत आधा फसाना' को प्रेरणा पुरस्कार एवं श्रीमती दीपा सिंह, कार्यालय अधीक्षक को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (संयुक्त) का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

08. दिनांक 12.03.2024 से15.03.2024 तक क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर में आयोजित 'अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव' (आधार वर्ष 2023) में पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय नाटक दल द्वारा मंचित नाटक 'पेट पूजा परम पूजा' का मंचन किया गया । इस नाटक में 'फेंकू ' की भूमिका निभाने वाले श्री राहुल यादव को 'सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार' का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

09. दिनांक 29 जुलाई 2024 को राजभाषा विभाग पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा 'क्षेत्रीय स्तर पर नाट्योत्सव प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यालय ,पमरे सहित मंडलों एवं कारखानों के नाट्य दलों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में 'परकाया', सुदामा के चावल एवं कुर्सी महिमा नाटक ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन नाटकों को शील्ड एवं ट्रॉफी तथा 13 अन्य विधाओं में कलाकारों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त नाटक परकाया अब अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव प्रतियोगिता में पमरे का प्रतिनिधित्व करेगा।

इसके अलावा विभिन्न अवसरों पर समय–समय पर पश्चिम मध्य रेलवे की सांस्कृतिक अकादमियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों /नाटकों आदि का मंचन किया जाता है।

विपुल कुमार मंडल
वरिष्ठ अनुवादक, मुख्यालय

संविधान के अनुच्छेद 344(1) तथा 351 में आठवीं अनुसूची का उल्लेख है।

जबलपुर मंडल : प्रगति पथ पर राजभाषा

01 अप्रैल, 2003 को पश्चिम मध्य रेल के गठन के साथ ही देश की हृदयस्थली, सैनिक छावनी, मध्यप्रदेश की 'संस्कारधानी' तथा न्यायिक राजधानी कही जाने वाली जबलपुर शहर में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पमरे के क्षेत्राधिकार में कार्यरत है। राजभाषा दृष्टि से जबलपुर मंडल 'क' क्षेत्र में स्थित है इसमें 115 अधिकारी व 18,775 कर्मचारी कार्यरत हैं। इसके अधीन 109 रेलवे स्टेशन, लगभग 1,085 किमी रेलपथ तथा कुल ट्रेक की लम्बाई 2,403 किमी है जो कि पूर्णत: विद्युती कृत रेलमार्ग हैं।

जबलपुर मंडल के प्रमुख पर्यटन स्थल व खनिज संपदा:-

जबलपुर रेल मंडल 'कान्हा किसली',' बांधवगढ़' और ' पेंच ' बाघ अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों को रेल संपर्क प्रदान करता है। जबलपुर शहर से लगभग 20 किमी दूर भेड़ाघाट का धूआं-धार जलप्रपात एवं सफेद संगमरमरी चट्टानों के बीच नर्मदा की कलकल करती धारा, मदनमहल रेलवे स्टेशन के पास रानी दुर्गावती का प्राचीन किला, बैलेंसिंग रॉक, तवा डेम तथा पिपरिया स्टेशन से 50 किमी दूर स्थित मध्यप्रदेश का शिमला कहा जाने वाले हिल स्टेशन पचमढ़ी आदि पर्यटकों का मन मोह लेते हैं।

मंडल पर राजभाषा के बढ़ते कदम:-श्री विवेक शील, मंडल रेल प्रबंधक महोदय के संरक्षण एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) श्री संजय कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में मंडल पर सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार का अनुपालन भारत सरकार, गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाता है।

राजभाषा संबंधी उपलब्धियाँ:

1. कम्प्यूटरों पर हिंदी कार्य की सुविधा- मंडल पर विभिन्न कार्यालयों में लगभग 503 कम्प्यूटर हैं सभी में हिंदी में कार्य करने की सुविधा है।

2. हिंदी कुंजीयन प्रशिक्षण - जबलपुर मंडल पर 864 कर्मचारियों को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग(हिंदी शिक्षण योजना), जबलपुर के माध्यम से वर्ष 2024 तक यूनिकोड में हिंदी कुंजीयन में प्रशिक्षित करवाया गया है। कुछ कर्मचारी निजी प्रयासों तथा पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से भी हिंदी कुंजीयन में प्रशिक्षण प्राप्त कर कंप्यूटरों पर सुचारू रूप से हिंदी में सुगमतापूर्वक कार्य कर रहे है।

3. मंडल पर राजभाषा कार्यान्वयन उपसमितियों की बैठकें- मंडल पर विभिन्न बड़े स्टेशनों, शेडों, एवं डिपो आदि पर कुल 13 राजभाषा कार्यान्वयन उपसमितियाँ गठित हैं जिनकी तिमाही समीक्षा बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं।

4. मंडल पर हिंदी पुस्तकालयों एवं वाचनालयों का संचालन- मंडल पर विभिन्न बड़े स्टेशनों, शेडों, एवं डिपो आदि पर 18 हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय संचालित हैं।

5. मंडल पर राजभाषा सम्बन्धी साहित्य का प्रकाशन- मंडल की त्रैमासिक राजभाषा गृह पत्रिका 'प्रगतिपथ' का नियमित रूप से प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें मंडल की विभिन्न उपलब्धियों सहित मनोरंजक, तकनीकी, साहित्यिक लेख एवं कविता / कहानी/चित्र व कार्टून आदि प्रकाशित किए जाते हैं। अब तक इस पत्रिका के कुल 17 अंक प्रकाशित किये जा चुके हैं। इसी प्रकार प्रतिवर्ष राजभाषा दैनन्दिनी का भी प्रकाशन किया जाता है।

6. हिंदी साहित्यकारों की जयन्तियां- मंडल पर राजभाषा प्रयोग-प्रसार की अभिवृद्धि हेतु अनुकूल वातावरण तैयार करने हेतु मंडल के प्रमुख स्टेशनों, शेडों एवं डिपो आदि में लगभग सभी नामचीन हिंदी साहित्यकारों की जयंतियां प्रतिवर्ष मनाई जाती है।

7. हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन- अधिकारियों / कर्मचारियों को राजभाषा नीति संबंधी जानकारी प्रदान करने हेतु मंडल के प्रमुख स्टेशनों, शेडों एवं डिपो आदि में समय-समय पर हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। प्रशिक्षण उपरांत कर्मचारी अपना दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करने के लिए प्रेरित होते हैं।

14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी का राजभाषा का दर्जा दिया अत: वर्ष 2024 में इसकी हीरक जयंती मनाई गई।

8. टेबल ट्रेनिंग, मोटिवेशन एवं चेक प्वाइंट- सरकारी कामकाज अधिकाधिक राजभाषा हिंदी में होना सुनिश्चित करने हेतु जबलपुर मंडल के सभी कार्यालयों, विभागों, डिपो व शेडों में अधिकारियों/कर्मचारियों को राजभाषा विभाग द्वारा मोटिवेट व प्रेरित किया जाता है। राजभाषा प्रयोग-प्रसार में आने वाली कठिनाईयों को दूर करने के उद्देश्य से लगातार टेबल ट्रेनिंग दी जाती है। राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में चेक प्वाइंट बनाये गए हैं।

9. व्यक्तिश: आदेश जारी करना:- गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार समय-समय पर मंडल रेल प्रबंधक महोदय के हस्ताक्षर से व्यक्तिश: आदेश जारी किए जाते है। जिसमें सभी शाखा अधिकारियों तथा उनके अधीनस्थ कर्मचारियों और मंडलेत्तर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मियों से इस आदेश का पालन करने के लिए कहा गया है।

10. राजभाषा पुरस्कार:- जबलपुर मंडल ने राजभाषा प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप अनेक बार पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ है।

- वर्ष 2014 में डीजल शेड, नई कटनी जंक्शन को रेलमंत्री राजभाषा शील्ड के साथ रू 7,000/- का नगद पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 2017 में मंडल कार्यालय को महाप्रबंधक राजभाषा शील्ड, वर्ष 2018 में विद्युत शेड, नई कटनी जंक्शन को रेलमंत्री राजभाषा शील्ड एवं वर्ष 2019 में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय को नगर राजभाषा समिति कार्यालय क्रं. 2 से प्रथम स्थान स्वरूप राजभाषा चल शील्ड प्राप्त हुई।
- वर्ष 2017 में मंडल के श्री ज्योति खरे, तकनीशियन को उनके काव्य संग्रह के लिए रेलवे बोर्ड का मैथिली शरण गुप्त पुरस्कार योजना के अन्तर्गत प्रथम पुरस्कार एवं श्री शमशाद खान, वरिष्ठ अनुवादक को वर्ष 2018 में रेल यात्रा वृतांत 'पगडंडी से पटरी तक' को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 2017 में ही मंडल के स्टेशन प्रबंधक श्री ओमप्रकाश बिंजवे को रेलवे बोर्ड का राजभाषा व्यक्तिगत नगद पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- दिनाँक 18.12.2020 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्रमांक-2 जबलपुर द्वारा जबलपुर मंडल को लगातार दूसरे वर्ष 'नराकास नगर राजभाषा चल शील्ड' के प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- दिनाँक 09.01.2021 को रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल के करकमलो से वर्ष 2020 की राजभाषा दक्षता शील्ड प्रदान की गई।
- दिनांक 27.09.2023 को (आधार वर्ष-2020) के लिए सर्वश्रेष्ठ मंडल की आचार्य महावीर प्रसाद चल वैजयंती शील्ड प्राप्त हुई।
- दिनांक 29.12.2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्रमांक-2 जबलपुर द्वारा जबलपुर मंडल को वर्ष-2022 के लिए राजभाषा ट्रॉफी का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

11. अन्य आयोजन- दिनांक 29.07.2024 को 'क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव - 2024' के अवसर पर मंडल सांस्कृतिक अकादमी के नाटक 'सुदामा के चावल' को द्वितीय पुरस्कार तथा श्री अनिल पाली को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

12. राजभाषा सप्ताह/राजभाषा पखवाड़ा/राजभाषा मास का आयोजन- गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष मंडल कार्यालय सहित मंडल के प्रमुख स्टेशनों, कार्यालयों, डिपो एवं शेडो में राजभाषा सप्ताह/राजभाषा पखवाड़ा/राजभाषा मास का आयोजन किया जाता है जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे राजभाषा प्रश्नमंच, हिंदी शुद्ध लेखन, हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण एवं आलेखन, हिंदी वाक तथा हिंदी स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

13. भावी कार्य योजना:- गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भाग लिया जाता है।

इस प्रकार मंडल पर भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के समुचित अनुपालन हेतु हम सद वाक्य 'प्रेरणा, प्रशिक्षण व प्रोत्साहन' के साथ सदैव प्रयासरत रहेंगे।

किशोर कुमार साहू
वरिष्ठ अनुवादक, जबलपुर मंडल

भोपाल मंडल पर राजभाषा प्रगति

भोपाल मंडल , पश्चिम मध्य रेलवे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो भारतीय रेलवे के व्यापक नेटवर्क में एक प्रमुख भूमिका निभाता है । यह मंडल न केवल मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जोड़ता है बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने में भी एक अहम भूमिका निभाता है। मंडल के अधिकारी और कर्मचारी यात्रियों को उच्च स्तर की सेवाएँ प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं।इसके आलावा, यह मंडल पर्यावरणीय स्थिरता और स्वच्छता के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है, जिसमें ऊर्जा की बचत और स्वच्छता अभियानों का संचालन शामिल है। इस प्रकार भोपाल मंडल पश्चिम मध्य रेलवे के भीतर एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है।

जहाँ तक मंडल पर राजभाषा प्रगति का प्रश्न है, इस क्षेत्र में मंडल ने कई परचम लहराएं हैं। मंडल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी हिंदी में प्रशिक्षित हैं और अपना दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करने में सक्षम हैं। दिनांक 22.10.22 को मंडल पर संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण हुआ इस अवसर पर एक भव्य राजभाषा प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें मंडल को प्राप्त आचार्य महावीर प्रसाद चल वैजयंती पुरस्कार योजना के अंतर्गत 'आदर्श मंडल' के लिए चल वैजयंती शील्ड/ट्रॉफी तथा भारत सरकार गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा केन्द्रीय कार्यालय पुरस्कार योजना के अंतर्गत 'मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय' पमरे भोपाल को 'राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने तथा राजभाषा हिंदी में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन' हेतु तृतीय पुरस्कार की राजभाषा शील्ड एवं प्रमाण पत्र को दर्शाया गया। सभी सांसदों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसकी बहुत सराहना की।

महाप्रबंधक/मंडल रेल प्रबंधक पुरस्कार

वर्ष 2023 के दौरान मंडल पर राजभाषा हिंदी का सर्वाधिक एवं उल्लेखनीय कार्य करने के लिए भोपाल मंडल को श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे के कर कमलों से राजभाषा दक्षता शील्ड प्रदान की गई। इस तरह भोपाल मंडल में वर्ष के दौरान राजभाषा में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले 01 अधिकारी एवं 03 कर्मचारियों को महाप्रबंधक राजभाषा पुरस्कार से भी पुरस्कृत किया गया।

त्रिभाषा सूत्र - संबंधित प्रादेशिक भाषा, हिंदी तथा अंग्रेजी।

दिनांक 30.01.2024 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने विद्युत शेड, इटारसी को उत्कृष्ट राजभाषा कार्य निष्पादन हेतु राजभाषा शील्ड एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

भोपाल मंडल के डीजल शेड इटारसी में दिनांक 27 मार्च 2023 को महादेवी वर्मा जी की 116वीं जयंती का आयोजन किया गया।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 10.01.2024 को विद्युत लोको शेड इटारसी में हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 22.08.2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन उप समिति, विद्युत शेड इटारसी की बैठक का आयोजन तथा हिंदी साहित्यकार एवं व्यंग्यकार श्री हरिशंकर परसाई जी की जयंती मनायी गई। इस अवसर पर परसाई जी की कृति 'मातादीन चाँद' पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया

दिनांक 31.07.23 से 01.08.2023 तक दो दिवसीय तकनीकी हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया इस तकनीकी कार्यशाला में 35 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) 26 जनवरी 1965 से लागू हुई इसके अन्तर्गत 14 प्रकार के दस्तावेजों को हिंदी और अंग्रेजी द्विभाषी रूप में जारी करना अनिवार्य है।

दिनांक 01.02.2024 को मंडल रेल प्रबंधक महोदय द्वारा राजभाषा दैनन्दिनी-2024 का विमोचन किया गया

दिनांक 22.09.2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिता में मंडल कार्यालय, भोपाल के श्री राकेश मालवी, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (टेली) ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

हिंदी दिवस के अवसर पर दिनांक 29.09.2023 को राजभाषा पखवाड़ा समापन, पुरस्कार वितरण समारोह एवं हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस प्रकार भोपाल मंडल राजभाषा प्रयोग प्रसार हेतु सतत् प्रयत्नशील है।

हर्षा मुसलगांवकर
वरिष्ठ अनुवादक, भोपाल मंडल

संविधान की अष्टम अनुसूची में उल्लिखित भारतीय भाषाएँ (अनुच्छेद 344 (1) एवं 351)

1.	असमिया	2.	उड़िया	3.	उर्दू	4.	कन्नड
5.	कश्मीरी	6.	गुजराती	7.	तमिल	8.	तेलुगू
9.	पंजाबी	10.	बांग्ला	11.	मराठी	12.	मलयालम
13.	संस्कृत	14.	सिंधी	15.	हिंदी	16.	मणिपुरी
17.	नेपाली	18.	कोंकणी	19.	मैथिली	20.	संथाली
21.	बोडो	22.	डोंगरी				

राजभाषा नियम 1976 के उपनियम 2 (च, छ, ज) के अधीन वर्गीकृत क्षेत्र 'क', 'ख' एवं 'ग' है।

कोटा मंडल में राजभाषा के बढ़ते कदम

देश के मानचित्र पर शैक्षणिक एवं औद्यौगिक नगरी के रूप में स्थापित कोटा समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और स्थापत्य के साथ-साथ पक्षियों एवं वन्यजीवों के लिए भी एक सुरक्षित व संरक्षित आरामगाह है।

दिनांक 01 अप्रैल, 2003 को पश्चिम मध्य रेल के अस्तित्व में आने के साथ कोटा मंडल को मुख्यालय, पमरे, जबलपुर के अधीन रखा गया और इसके साथ ही कोटा मंडल के राजभाषा विभाग ने नवीन प्रतिमान के साथ काम करना शुरू किया।

'क' क्षेत्र में स्थित होने के कारण कोटा मंडल के अधिकारी व कर्मचारी हिंदी भाषा का अच्छा ज्ञान रखते हैं और यहाँ हिंदी में काम-काज करने में सामान्यत: कोई परेशानी नहीं थी किन्तु फिर भी राजभाषा के रूप में हिंदी को मजबूती से अपने पैर जमाने के लिए एक विशेष दृष्टिकोण और योजना अपनाए जाने की जरूरत थी ताकि कर्मचारी संवैधानिक आबद्धता के कारण नहीं अपितु राजभाषा से नैसर्गिक जुड़ाव की भावना से प्रेरित होकर हिंदी में सरकारी काम-काज करें। इस विकास यात्रा को इस प्रकार देखा जा सकता है:-

1. तकनीकी सुदृढ़ता: – वर्ष 2003 तक कार्यालय में अधिकांश कार्य कंप्यूटरों के माध्यम से होने लगा था। अत: रणनीति के तौर पर सर्वप्रथम कंप्यूटर पर कुंजीयन प्रशिक्षण को प्रथम अग्रता दी गई और प्रत्येक विभाग से 10-10 कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से हिंदी कुंजीयन में प्रशिक्षित करवाया गया, यह सोच इतनी प्रभावकारी रही कि, 1215 कर्मचारियों को विधिवत रूप से प्रशिक्षित करवाने के बाद कंप्यूटरों पर कार्य करने वाले अन्य कर्मचारी निजी प्रयासों से कंप्यूटरों पर सुचारू रूप से राजभाषा हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित हुए। इस अनवरत श्रृंखला में कोटा मंडल के 125 से अधिक कर्मचारी गृह मंत्रालय के (हिंदी शब्द संसाधन टंकण) पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से भी हिंदी टंकण परीक्षाऐं पास कर चुके हैं एवं सुगमतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

2. राजभाषा एवं रेल कर्मियों के बीच सेतु बंधन: – इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए वर्ष 2006 में राजभाषा विभाग कोटा मंडल के तत्वाधान में अधिकारियों व कर्मचारियों के परिवारजन को राजभाषा के प्रति सुग्राही बनाने के लिए रेल कर्मियों के बच्चों के लिए ऑन-स्पॉट चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, इस कार्यक्रम की प्रतिक्रिया और प्रत्युत्तर इतना जबरदस्त रहा कि मंडल कार्यालय, कोटा के प्रांगण में एकत्र रेल कर्मियों के बच्चों ने तूलिका और कलम के सहारे देशभक्ति और हिंदी लेखन का संदेश घर-घर पहुंचा दिया।

इसके बाद कोटा मंडल के स्टेशनों पर स्थित अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को राजभाषा की मुख्यधारा से जोड़ने का मिशन हाथ में लिया गया और राजभाषा अधिकारी एवं राजभाषा कार्मिकों ने मंडल के स्टेशनों पर चरण बद्ध रूप से हिंदी प्रतियोगिताएं और कार्यशालाऐं आयोजित करने की मुहिम शुरू की। हर वर्ष कोटा मंडल स्थित न केवल बड़े स्टेशनों अपितु बूंदी, मांडलगढ़, रामगंजमंडी और भवानीमंडी जैसे सीमित कर्मचारी संख्या वाले स्टेशनों पर भी हिंदी कार्यशालाऐं आयोजित की गईं।

कार्यशालाओं के लिए कोटा मंडल के राजभाषा अनुभाग द्वारा स्वयं के प्रयासों से रोचक पाठ्य-सामग्री एवं राजभाषा प्रश्नोत्तरी तैयार की गई जिसमें केवल व्याख्यान न देकर अनन्योक्रिया के माध्यम से कर्मचारियों को कार्यालयीन शब्दावली एवं हिंदी में काम-काज करने का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें उच्च अधिकारियों की पहल पर कर्मचारियों को शब्दकोश एवं अन्य उपयोगी सहायक साहित्य उपलब्ध करवाया गया। विगत 21 वर्षों में कोटा मंडल पर लगभग 139 हिंदी कार्यशालाऐं आयोजित की जा चुकी हैं जिनमें लगभग 3,500 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

4. हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन:- हिंदी प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए अत्यंत मनोवैज्ञानिक सोच के साथ कार्य किया गया और राजभाषा सप्ताह या पखवाड़ा के दौरान एक साथ प्रतियोगिताऐं आयोजित करने के स्थान पर वर्ष पर्यन्त अलग-अलग स्टेशनों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिताऐं, साहित्यकारों की जयंतियाँ राजभाषा प्रश्नमंच, हिंदी निबंध, प्रारूप एवं टिप्पण आलेखन तथा वाक्

अधिकारी डिक्टेशन पुरस्कार योजना में 5000-5000 रुपये के दो पुरस्कार देने का प्रावधान है।

प्रतियोगिताऐं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन में सदैव नए प्रयोग किए गए और इनकी रोचकता बनाए रखने के लिए प्रत्येक स्टेशन और मंडल कार्यालय में इनका स्वरूप अलग-अलग रखा गया।

5. सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ- कोटा मंडल का सौभाग्य रहा कि प्रारंभ से ही यहाँ पदस्थ उच्च अधिकारियों ने भी राजभाषा के प्रति गहरी रुचि दिखाई और इसी का परिणाम रहा कि मंडल पर प्रतिवर्ष राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर मंडल के फाइन आर्ट्स कर्मचारियों द्वारा उत्कृष्ट हिंदी नाटकों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी जाती है और देशभक्ति से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी के मन पर गहरी छाप छोड़ी जाती है। मुख्यालय, जबलपुर में हाल ही में आयोजित क्षेत्रीय नाट्योत्सव 2024 में कोटा मंडल की सानिया बानो को उनके नाटक 'बहुत बड़ा सवाल' के लिए सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का पुरस्कार प्रदान किया गया है।

कोटा मंडल पर समय-समय पर हिंदी के नामचीन कवियों को आमंत्रित कर वृहत् स्तर पर काव्य-गोष्ठियां भी आयोजित की जाती रही हैं। यहां वर्ष 2012 एवं 2014 में कोटा मंडल पर आयोजित विराट हास्य कवि-सम्मेलन का जिक्र करना समीचीन होगा। इन कवि सम्मेलनों को आमजन एवं मीडिया द्वारा अत्यधिक सराहा गया।

6. राजभाषा प्रोत्साहन योजनाओं का क्रियान्वयन:-
कोटा मंडल में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग एवं रेलवे बोर्ड की समस्त प्रोत्साहन एवं पुरस्कार योजनाओं को लागू किया गया है। फलस्वरूप यहां कार्यरत कर्मचारियों को लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार, प्रेमचंद पुरस्कार, रेल यात्रा वृतांत पुरस्कार जैसे सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कोटा मंडल के श्री शरद उपाध्याय को 02 बार प्रेमचंद पुरस्कार, रेल यात्रा वृतांत पुरस्कार एवं वर्ष 2011 में साहित्य के क्षेत्र में विशेष योगदान देने के लिए श्री अमर सिंह राठौर को महाप्रबंधक पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। इसी श्रृंखला में श्री रघुराज सिंह कर्मयोगी एवं श्री उमेश जैन ने भी राजभाषा पुरस्कार प्राप्त कर कोटा मंडल के गौरव को बढ़ाया है।

7. राजभाषा कार्यान्वयन समितियाँ- मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोटा एवं मंडल स्थित 09 स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों के नियमित रूप से आयोजन एवं अनुवर्ती कार्रवाई के परिणामस्वरूप कोटा मंडल में राजभाषा नीति को लागू करने और इसकी प्रगति पर निगरानी रखने के लिए एक सुदृढ़ व्यवस्था कायम की गई। अब तक मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 84 बैठकों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है।

8. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति का दायित्व:कोटा मंडल की उपलब्धियों में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोटा का संचालन एवं नेतृत्व करना एक अति महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लगभग तीन दशकों से अधिक समय से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, कोटा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोटा की अध्यक्षता करते आ रहा है। अब तक यह समिति 66 बैठकों का सफलतापूर्वक आयोजन कर चुकी है।

9. राजभाषा प्रकाशन:- कोटा मंडल में राजभाषा दैनन्दिनी एवं गृह राजभाषा पत्रिका 'चंबलवाणी' एवं नराकास की राजभाषा पत्रिका 'चंबलप्रसून' का अनवरत रूप से प्रकाशन किया जा रहा है। इससे यहां के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक ऐसा साझा मंच उपलब्ध होता है जहाँ वे अपनी सृजनात्मक प्रतिभा को उभारने के साथ-साथ महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी भी प्राप्त करते हैं। मंडल द्वारा विभागीय बुकलेट्स का भी प्रकाशन किया जाता है।

इसी क्रम में कोटा मंडल द्वारा प्रकाशित किए जा रहे सहायक साहित्य ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। कोटा मंडल के समस्त स्टेशनों पर राजभाषा नीति की महत्वपूर्ण जानकारी देने वाले आकर्षक पोस्टर्स लगवाए गए हैं और प्रत्येक कार्यालय में राजभाषा की जानकारी देने वाले पॉकेट कार्ड्स उपलब्ध करवाए गए हैं।

10. नवीन प्रयोग एवं पहल कदमी:- कोटा मंडल राजभाषा अनुभाग द्वारा अनुवाद कार्य को अत्यधिक महत्व दिया गया है, फलस्वरूप अत्यंत अल्प समय में कोटा मंडल के सभी स्टेशन संचालन नियमों का हिंदी रूपान्तरण किया गया। निविदा, संविदा एवं ई-टेंडरिंग संबंधी और अनुशासनिक कार्रवाई, विभागीय परीक्षाओं इत्यादि संबंधी अति गोपनीय एवं महत्वपूर्ण सामग्री का अनुवाद विभाग द्वारा नियमित रूप से किया जाता है। मंडल की वेबसाइट के द्विभाषीकरण का कार्य भी विभाग द्वारा किया गया है।

कोटा मंडल पर व्यक्तिगत संपर्क एवं टेबल ट्रेनिंग को प्राथमिकता दी गई है ताकि कर्मचारियों का अतिरिक्त समय लिए

संविधान के भाग 5 अनुच्छेद 120 में संसद में कार्य की भाषा संबंधी उपबंध दिए गए हैं।

बिना मौके पर ही व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा सके, कोटा मंडल के राजभाषा अनुभाग की इस पहल को कार्यालय में सर्वत्र सराहा गया है।

11. हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय:- कोटा मंडल के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजन में पठन-पाठन के प्रति गहरी रूचि को देखते हुए वर्ष 2015 में मंडल कार्यालय में स्थित रवीन्द्रनाथ टैगोर हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय को नवीन परिसर में शिफ्ट कर इसका लोकार्पण किया गया। अब पुस्तकालय पूर्णत: कंप्यूट्रीकृत भी किया जा चुका है। साथ ही कोटा मंडल के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर भी हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय संचालित हैं और उनमें लगभग 20 हजार पुस्तकें उपलब्ध हैं।

12. निरीक्षण:- दिनांक 05.05.2022 को माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के साथ दिल्ली के विज्ञान भवन में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, कोटा की निरीक्षण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान माननीय समिति सदस्यों ने मंडल कार्यालय, कोटा में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार एवं कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे उपायों पर संतोष प्रकट किया।

13. राजभाषा प्रदर्शनी:- कोटा शहर में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय दशहरा मेला के अवसर पर रेलवे की ओर से लगाई जाने वाले स्टॉल पर हिंदी पत्रिकाओं, पोस्टरों, आमजन को हिंदी में दिए जाने वाले संरक्षा संदेश, पेम्पलेट्स इत्यादि प्रदर्शित किये जाते हैं एवं इन्हें जनता द्वारा काफी पसंद किया जाता है। वर्ष 2009 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तत्वावधान में कोटा मंडल के दिगोद में रेलवे द्वारा लगाई गयी स्टॉल पर रेलवे द्वारा जनसाधारण को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं, मानव रहित समपार फाटक पार करने में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में राजभाषा हिंदी में कैलेंडर व पेम्पलेट्स वितरित किये गए। यह क्रम कोटा के प्रसिद्ध दशहरा मेला में भी अनवरत रूप से जारी है।

14.पुरस्कार एवं सम्मान:- कोटा मंडल की इन समस्त उपलब्धियों के लिए मंडल को वर्ष 2010 में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी चल शील्ड एवं वर्ष 2015 में टीकेडी विद्युत शेड को आदर्श कारखाना रेल मंत्री राजभाषा शील्ड सहित वर्ष 2009, 2012, 2014 एवं 2018 में महाप्रबंधक राजभाषा दक्षता शील्ड से नवाजा जा चुका है। यह कोटा मंडल की रिकार्ड उपलब्धि रही कि वर्ष 2021 से वर्ष 2023 तक लगातार महाप्रबंधक राजभाषा दक्षता शील्ड प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कोटा मंडल पर वर्ष 2018 में तत्कालीन अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री पी.के.बी. मेश्राम महोदय को राजभाषा रजत पदक एवं रुपये 8000/- का नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

15. कठिन परीक्षा के अविस्मरणीय क्षण:- प्राकृतिक आपदाएं सदैव ही मानव की जिजिविषा की परीक्षा लेती रही हैं, ऐसा ही एक दौर वैश्विक महामारी कोविड 19 के समय आया। राजभाषा विभाग सामान्यत: व्यक्तिगत मेल-जोल और संपर्क कार्यक्रमों द्वारा ही संवैधानिक प्रावधानों को लागू करता आया है और प्रेरणा, पुरस्कार एवं सद्भावना इत्यादि ही हमारे उपकरण रहे हैं। यह समय हमारे समक्ष ऐसा प्रश्न लेकर आया जिसका तत्काल हमारे पास कोई जवाब नहीं था लेकिन यह साझा करते हुए मन अत्यंत गौरवान्वित है कि राजभाषा कार्मिकों ने अपनी सीमित तकनीकी योग्यता के साथ राजभाषा विभाग के प्रत्येक कार्यक्रम को उसी जीवट और ऊर्जा से सम्पन्न किया फिर चाहें वह ऑन लाइन तिमाही बैठकें हों, राजभाषा प्रतियोगिताएं हों,काव्य गोष्ठी हो या प्रश्न मंच कार्यक्रम हों। ऐसे में पत्रिका प्रकाशन कर पाना अपने आप में बहुत चुनौती पूर्ण था क्योंकि प्रिंटिंग कर्मचारियों के साथ समुचित व्यक्तिगत दूरी बनाए रखते हुए यह कार्य किया जाना था। ईश्वर से प्रार्थना है कि विश्व को ऐसा समय फिर कभी नहीं देखना पड़े लेकिन इस नकारात्मक घटना ने कोटा मंडल के राजभाषा विभाग को यह सिद्ध करने का अवसर दिया कि हम न्यूनतम समय में नई जरूरतों को पूरा कर पाए और तत्काल नई अपेक्षाओं पर खरे उतरे।

16.आगामी पहल:- कोटा मंडल पर राजभाषा का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है, हमें कार्य निष्पादन की गति बनाए रखने के लिए तकनीकी सशक्तिकरण पर अत्यधिक बल देने की आवश्यकता है। हमें अपनी कार्य-प्रणाली को अधिक समावेशी बनाते हुए राजभाषा ई-टूल्स को अपने दैनिक कार्यों में सम्मिलित करना होगा और ई-पत्रिका एवं पेपर रहित कार्य प्रणाली के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के अनुरूप स्वयं को ढालना होगा। कोटा मंडल इस दिशा में निरंतर अग्रसर है।

अर्चना श्रीवास्तव
वरिष्ठ अनुवादक
मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय कोटा

संविधान के अनुच्छेद 351 में हिंदी भाषा के विकास के लिए निदेश का उल्लेख किया गया है।

राजभाषा हिंदी के समग्र विकास में समर्पित सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, भोपाल

भारत वर्ष का हृदय मध्य प्रदेश और उसकी राजधानी झीलों की नगरी भोपाल अपनी समृद्ध, साहित्यिक-सांस्कृतिक विरासत के लिए देश ही नहीं वरन् दुनिया भर में जाना जाता है। राजाभोज द्वारा स्थापित इस शहर में मुस्लिम शासकों ने भी लंबे समय तक शासन किया इसलिए इसे नबावों का शहर भी कहा जाता है। यहाँ कई ऐसे संस्थान है जहाँ देश भर के लोग विविध भाषाओं और सांस्कृतियों को समेटे हैं। कुल मिलाकर भोपाल समुचे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता है। यहाँ की मिली-जुली संस्कृति सांझी विरासत सचमुच सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ता हमारा की सच्ची अभिव्यक्ति है।

भोपाल मध्य प्रदेश की राजधानी ही नहीं अपितु शिक्षा के बड़े केन्द्र के रूप में भी देश भर में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। यहाँ शिक्षा के अनेक राष्ट्रीय स्तर के केन्द्र है, यहाँ अनेक विश्वविद्यालय जैसे-राजीव गाँधी प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, अटल विहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, मौलाना आजाद प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय, गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय, संस्कृत राष्ट्रीय संस्थानम्, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। साथ ही यहाँ चिकित्सा के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान भी उपलब्ध है।

भोपाल में साहित्य, नाटक, संगीत एवं चित्रकला के भी बड़े विश्वस्तरीय महत्वपूर्ण केन्द्र है। जिनमें भारत भवन, रविन्द्र भवन, सांस्कृतिक भवन, गाँधी भवन, पंडित रविशंकर शुक्ल हिन्दी भवन, शहीद भवन के नाम उल्लेखनीय है। भोपाल के निकट बौद्ध स्तूप, साँची व भीमबैठका यूनेस्को द्वारा संरक्षित विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित देखने योग्य महत्वपूर्ण स्थान है।

भोपाल हिन्दी साहित्य के महान रचनाकारों की कर्मस्थली, जन्मस्थली भी रहा है। यहाँ दुष्यंत कुमार जैसे महान गजलकार भी हुए हैं, वहीं फिल्मों में गीत लिखने वाले कैफ भोपाली, असद भोपाली जैसे साहित्यकारों को कौन भूल सकता है। वहीं कहानीकार पद्मश्री मालती जोशी व पद्मश्री मेहरूर निशा परवेज ने भोपाल को एक नई पहचान दी है। पद्मश्री बशीरभद्र की गजलें और उनके शेर बच्चों-बच्चों की जबान पर रटे हुए हैं। यहाँ साहित्यकारों का बहुत सम्मान किया जाता है तभी तो व्यंग्यकार श्री शरदजोशी के नाम पर सड़क मार्ग, दुष्यंत कुमार मार्ग, राजेन्द्र अनुरागी मार्ग, बाल साहित्यकार, भीष्म सिंह चौहान मार्ग, महादेवी वर्मा कक्ष एवं श्री सूर्यकांत त्रिपाठी निराला नगर बसा हुआ है। इसी भोपाल शहर में पश्चिम मध्य रेल के अन्तर्गत सबारी डिब्बा पुर्ननिर्माण कारखाना स्थापित है। इस कारखाने को तत्कालीन केन्द्रीय रेलमंत्री श्री माधवराव सिंधिया ने दिनांक: 30.07.1989 को राष्ट्र को समर्पित किया था।

कारखाने का राजभाषा अनुभाग राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करता रहा है वर्ष 2003 से वर्तमान तक की सडिपुका राजभाषा अनुभाग की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ बिन्दुबार निम्नानुसार है:-

1. **हिंदी कार्यशालाओं एवं तकनीकी संगोष्ठियों का**

संविधान के भाग 5 (120), भाग 6 (210) एवं भाग 17 (343-351) में राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान हैं।

आयोजन– कारखाने में प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। अब तक 41 हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है जिनमें कुल 931 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। साथ ही समय-समय पर आयोजित तकनीकी संगोष्ठियों में भी राजभाषा विभाग की सहभागिता होती है। संगोष्ठियों के बैनर, पोस्टर, स्टीकर आदि राजभाषा हिंदी में ही छपवाये जाते हैं। आमंत्रित व्याख्यान दाताओं द्वारा व्याख्यान हिंदी में ही दिये जाते हैं।

2. कारखाना राजभाषा कार्यान्वयन समिति–कारखानें मे राजभाषा तिमाही समीक्षा बैठकों का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है। अब तक कुल 80 समीक्षा बैठकों का सफलता पूर्वक आयोजन किया जा चुका हैं ।

3. राजभाषा प्रकाशन– कारखाने की गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' का नियमित रूप से प्रकाशन किया जा रहा है। अब तक कुल 40 अंकों का सफलतापूर्वक प्रकाशन किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त समय-समय पर कर्मचारियों में राजभाषा हिन्दी का प्रचार-प्रसार करने की दृष्टि से राजभाषा नीति पोस्टर, राजभाषा निर्देशिका (पॉकेट कार्ड), राजभाषा स्टीकर आदि का प्रकाशन भी किया जाता है।

4. राजभाषा मार्गदर्शिका (डायरी) का प्रकाशन– प्रति वर्ष नववर्ष के उपलक्ष्य में 'राजभाषा मार्गदर्शिका' का प्रकाशन अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रूचि पैदा करने का एक सशक्त माध्यम है। इसमें भारत संघ की राजभाषा नीति, राजभाषा नियम, अधिनियम, वार्षिक कैलेंडर, प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक टिप्पणियाँ, लेटिन शब्दावली, प्लानर, राजभाषा चेकलिस्ट आदि का प्रकाशन किया जाता है जो कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होती है। विगत आठ वर्षो से अनवरत राजभाषा मार्गदर्शिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

5. हिंदी दिवस/राजभाषा सप्ताह का आयोजन– गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग और रलेवे बोर्ड के निर्देशानुसार कारखाने में प्रत्येक वर्ष राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया जाता है, जिसके अंतर्गत राजभाषा विचार गोष्ठी, स्वरचित काव्यपाठ, अधिकारियों / कर्मचारियों वर्ग के लिए पृथक - पृथक हिंदी निबंध, टिप्पण आलेखन, वाक प्रतियोंगिता एवं सामान्य ज्ञान प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राजभाषा सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर उक्त प्रतियोगिता के विजेता अधिकारी एवं कर्मचारियों को एवं वर्ष भर हिंदी का सर्वाधिक एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम (नाटक मंचन /गीत/गजल संध्या) या कवि सम्मलेन का आयोजन किया जाता है, जिसमें बडी संख्या में अधिकारी / पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी बड़े उत्साह से भाग लेते है।

6. अन्य कार्यक्रमों में राजभाषा विभाग की सहभागिता– रेलवे बोर्ड एवं मुख्यालय के निर्देशानुसार कारखाना में कौमी एकता / सर्तकता सप्ताह / उत्पादकता सप्ताह / सुरक्षा सप्ताह / ऊर्जा संरक्षण सप्ताह आदि का आयोजन राजभाषा विभाग की सहभागिता से किया जाता है। जिनमें राजभाषा विभाग द्वारा निबंध प्रतियोगिता, वाक प्रतियोगिता,पोस्टर प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रमों में कर्मचारियों को उत्सुकता देखते ही बनती है।

7. रेलवे बोर्ड एवं मुख्यालय स्तर पर पुरस्कार– 'राजभाषा विभाग के सक्रिय एवं सुचारू रूप में कार्य करने के फलस्वरूप रेलवे बोर्ड की व्यक्तिगत पुरस्कार योजना के अतर्गत वर्ष 2004 में कारखाने के श्री अंत्रीवाले सीनियर सेक्शन इंजीनियर, वर्ष 2007 में श्री मो. सलीम कार्यालय अधीक्षक, वर्ष 2015 में श्री रमेश देवतले, अवर लिपिक एवं 2020 में श्री विजय सोलंकी कार्या अधीक्षक को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2016 में कारखाने के श्री संत कुमार मालवीय वरि. तक. ने रेलवे बोर्ड की 'मैथिली शरण गुप्त पुरस्कार योजना' के अंतर्गत अपने काव्य संग्रह 'बची हुई खुशियाँ' के लिए द्वितीय पुरस्कार रूपये 10000 की राशि, आधार वर्ष 2020 में श्री घनश्याम मैथिल वरि.तक. ने रेलवे

20,000/10,000 शब्द लेखन योजना में क्रमशः 5000, 3000 एवं 2000 रूपये की राशि पुरस्कार स्वरूप देने का प्रावधान है।

बोर्ड की 'मुंशी प्रेमचंद पुरस्कार योजना' के अंतर्गत पुस्तक 'जहाँ काम आवे सुई' के लिये द्वितीय पुरस्कार रूपये 10000 की राशि, आधार वर्ष 2022 में श्री सतीशचंद्र श्रीवास्तव वरि. तक. ने रेलवे बोर्ड की 'मुंशी प्रेमचंद पुरस्कार योजना' के अंतर्गत पुस्तक 'मतलब अपना साध रे बंदे' के लिए प्रथम पुरस्कार रूपये 20,000 की राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इसके अतिरिक्त श्री संत कुमार मालवीय ने वर्ष 2016 में अखिल रेल हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार स्वरूप रू.5000 एवं प्रशस्ति पत्र तथा वर्ष 2018 में श्री रवि शंकर, कनिष्ठ इंजीनियर ने अखिल रेल हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में प्रेरणा पुरस्कार प्राप्त कर कारखाना का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा प्रतिवर्ष मुख्यालय स्तर पर वर्ष भर हिन्दी का सर्वाधिक एवं सराहनीय कार्य करने वाले एक अधिकारी व 02 कर्मचारियों को महाप्रबंधक महोदय द्वारा पुरस्कृत किया जाता है।

8. अतंर कारखाना राजभाषा शील्ड:- राजभाषा हिन्दी के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए कारखाना को वर्ष 2005-06, 2007-08 , 2009-10 एवं 2014-15 में महाप्रबंधक महोदय प.म.रे. द्वारा 'अंतर कारखाना राजभाषा शील्ड' से सम्मानित किया गया।

9. आजादी का अमृत महोत्सव:- आजादी की अमृतवेला के अवसर पर दिनांक 09.08.2023 को 'एक शाम शहीदों के नाम' के अन्तर्गत एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें श्री शिव किशोर तिवारी (बाराबंकी), श्री पंकज पंडित (ललितपुर), सुश्री प्रियंका मिश्रा (कटनी), श्री राकेश वर्मा एवं श्री दीपक शुक्ला दनादन (भोपाल) कवियों को आमंत्रित किया गया।

10. हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय - कारखाना के कर्मचारियों एवं अधिकारियों में राजभाषा हिन्दी के प्रति गहरी रुचि उत्पन करने के उद्देश्य से 'अमृता प्रीतम' हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय संचालित हैं। जिसमें लगभग 10-15 पाठक कर्मचारी नियमित रूप से आते हैं कुल पाठक संख्या लगभग 145 है। पुस्तकालय में कुल 532 पुस्तकें हैं। वर्ष में सर्वाधिक पुस्तक पढ़ने वाले अधिकारी / कर्मचारी को 'सर्वश्रेष्ठ पाठक पुरस्कार योजना' के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कारराशि से सम्मानित किया जाता है।

11. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति - नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भोपाल द्वारा आयोजित छ:माही बैठकों में कारखाने की सक्रिय भागीदारी होती है। नराकास की पत्रिका में प्रकाशन हेतु लेख /कविता आदि भेजे जाते हैं तथा राजभाषा छ:माही प्रगति रिपोर्ट समय पर प्रेषित की जाती है। इस प्रकार सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा भोपाल राजभाषा हिन्दी के प्रयोग प्रसार एवं संघ की राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन में निरंतर प्रगति पथ की ओर अग्रसर है।

बृजेन्द्र कुमार
वरिष्ठ अनुवादक
सडिपुका, भोपाल

राजभाषा - किसी भी देश में सरकारी कामकाज में प्रयोग की जाने वाली भाषा अर्थात् राजकाज की भाषा को राजभाषा कहते हैं। हिंदी भारत की राजभाषा और अंग्रेजी भारत की सह राजभाषा है।

राष्ट्रभाषा - किसी भी देश में अधिकांश लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को राष्ट्रभाषा कहते हैं। किसी देश में अनेक धर्म, भाषा, संस्कृति को मानने वाले लोग हो सकते हैं। सबको आपस में जोड़ने का काम राष्ट्रभाषा ही करती है। हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। पूरे भारत में आपको हिंदी बोलने और समझने वाले लोग आसानी से मिल जाएगें।

रेल मंत्री हिंदी निबंध प्रतियोगिता में (01 राजपत्रित एवं 1 अराजपत्रिक हेतु) रु. 6000(2), 4000(2) के पुरस्कार देने का प्रावधान है।

माल डिब्बा मरम्मत कारखाना - कोटा में राजभाषा के बढ़ते चरण

कोटा शहर अपने आप में समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और स्थापत्य के साथ-साथ पक्षियों एवं वन्यजीवों के लिए एक सुरक्षित एवं संरक्षित आरामगाह माना जाता है। वर्तमान में देश के मानचित्र पर कोटा शैक्षणिक एवं औद्योगिक नगरी के रूप में भी स्थापित है।

नवंबर, 1957 में कारखाना कोटा के निर्माण की नींव रखी गई तथा अक्टूबर 1960 में यहां पर रेलवे वैगनों की मरम्मत शुरू हुई। शुरूआत में यहां 250 वैगनों की मरम्मत की जाती थी। लेकिन अब लक्ष्य बढ़कर 550 हो गया है। इस कारखानें में कई अत्याधुनिक मशीनें भी स्थापित की गई है। इस कारखाना में एलपीजी वैगनों की मरम्मत भी वर्ष 1983 और बॉक्सन वैगनों की मरम्मत वर्ष 1989 में शुरू हुई। वर्तमान में अपग्रेडेशन के बाद वैगन रिपेयर का स्वाभाविक लक्ष्य 600 वैगन भी हासिल किया जा चुका है।

दिनांक 01 अप्रैल, 2003 को पश्चिम मध्य रेल के अस्तित्व में आने के साथ कोटा कारखाने को मुख्यालय, जबलपुर के अधीन रखा गया और इसके साथ ही कोटा कारखाना के राजभाषा अनुभाग ने नवीन प्रतिमान के साथ काम करना शुरू किया। 'क' क्षेत्र में स्थित कारखाना कोटा के अधिकारी व कर्मचारी हिंदी भाषा का अच्छा ज्ञान रखते हैं। यहाँ राजभाषा हिंदी में कामकाज करने में अधिक समस्या नहीं थी लेकिन राजभाषा हिंदी को सांवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन के तहत मजबूती से स्थापित करना अपने आप में चुनौतीपूर्ण रहा है। राजभाषा विभाग के प्रेरणा, प्रोत्साहन व सदभावना के आधार स्तंभ के तहत कर्मचारी स्वयं अपने मन से ही राजभाषा विभाग के निर्देशों का पालन सहजता से करते है। इस विकास यात्रा को इस प्रकार देखा जा सकता है:-

1. तकनीकी सुढ़ता: पश्चिम मध्य रेलवे की स्थापना के साथ ही कार्यालय में अधिकांश कार्य कंप्यूटरों के माध्यम से होने लगा था। अत: रणनीति के तौर पर सर्वप्रथम कंप्यूटर पर कुंजीयन प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी गई और प्रत्येक विभाग से कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से हिंदी कुंजीयन में प्रशिक्षित करवाया गया, यह सोच इतनी प्रभावकारी रही कि, 247 कर्मचारियों को विधिवत रूप से प्रशिक्षित करवाने के बाद कंप्यूटरों पर कार्य करने वाले अन्य कर्मचारी निजी प्रयासों से कंप्यूटरों पर सुचारू रूप से हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित हुए। इस अनवरत श्रृंखला में कारखाना के 35 से अधिक कर्मचारी गृहमंत्रालय के (हिंदी शब्द संसाधन टंकण) पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से भी हिंदी टंकण परीक्षाऐं पास कर चुके हैं एवं सुगमतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

2. राजभाषा एवं रेल कर्मियों के बीच सेतु बंधन: इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए वर्ष 2006 में राजभाषा अनुभाग, कोटा कारखाने के तत्वाधान में अधिकारियों व कर्मचारियों के परिवारजन को राजभाषा के प्रति सुग्राही बनाने के लिए रेल कर्मियों के बच्चों के लिए ऑन-स्पॉट चित्रकला एवं निबंध एवं भाषा ज्ञान प्रतियोगिता रखी गई, इस कार्यक्रम के प्रभाव से रेल कर्मियों के बच्चों नें तूलिका और कलम के सहारे देशभक्ति और हिंदी लेखन का संदेश घर-घर पहुंचा दिया।

3. राजभाषा एवं कार्यालयीन सरोकार: इसके बाद कोटा कारखाने की शॉप/अनुभागों के अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को राजभाषा की मुख्य धारा से जोड़ने का मिशन हाथ में लिया गया और राजभाषा कार्मिकों ने चरण बद्ध रूप से हिंदी प्रतियोगिताएं और कार्यशालाएं आयोजित करने की मुहिम शुरू

राजभाषा नियम 1976 के उपनियम 2(च) के अनुसार अंडमान निकोबार दीप समूह 'क' क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

की गई। कार्यशालाओं के लिए राजभाषा अनुभाग द्वारा स्वयं के प्रयासों से रोचक पाठ्य-सामग्री एवं प्रश्नमंच का आयोजन कर, जिसमें केवल व्याख्यान न देकर अनन्योक्रिया के माध्यम से कर्मचारियों को कार्यालयीन शब्दावली एवं हिंदी में कामकाज करने का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें उच्च अधिकारियों की पहल पर कर्मचारियों को शब्दकोश एवं अन्य उपयोगी सहायक साहित्य उपलब्ध करवाया गया। विगत 21 वर्षों में कारखाना में लगभग 101 हिंदी कार्यशालाऐं आयोजित की जा चुकी हैं और लगभग 1785 कर्मचारी प्रशिक्षित किये जा चुके हैं।

4. हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन: हिंदी प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए अत्यंत मनोवैज्ञानिक सोच के साथ कार्य किया गया और हिंदी सप्ताह या पखवाड़े के दौरान एक साथ प्रतियोगिताऐं आयोजित करने के स्थान पर वर्ष पर्यन्त स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिताऐं, साहित्यकारों की जयंतियाँ मनाना, प्रश्नमंच, हिंदी निबंध, टिप्पण आलेखन एवं वाक् प्रतियोगिताऐं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन में सदैव नए प्रयोग किए गए और इनकी रोचकता बनाए रखने के लिए इनका स्वरूप अलग-अलग रखा गया।

5. सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां: कारखाना कोटा में पदस्थ उच्च अधिकारियों ने भी राजभाषा के प्रति गहरी रूचि दिखाई और इसी का परिणाम रहा कि कारखाना पर प्रतिवर्ष राजभाषा सप्ताह/ पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया जाता है और इस दौरान कारखाना के सांस्कृतिक अकादमी से संबंधित कर्मचारियों द्वारा उत्कृष्ट हिंदी नाट्कों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी जाती है। हाल ही में मुख्यालय में आयोजित नाट्योत्सव प्रतियोगिता में कोटा कारखाना के नाट्य दल द्वारा मंचित नाटक 'जागृति एक नई सोच'की अभिनेत्री सोनम सक्सेना को सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री का पुरस्कार प्रदान किया गया।

6. राजभाषा प्रोत्साहन योजनाओं का क्रियान्वयन: कोटा कारखाना में गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड की समस्त प्रोत्साहन योजनाओं को लागू किया गया है। फलस्वरूप यहां कार्यरत कर्मचारियों को लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार, प्रेमचंद पुरस्कार, रेल यात्रा वृतांत पुरस्कार जैसे सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

7. राजभाषा कार्यान्वयन समितियां: कारखाना राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोटा की बैठकों के नियमित रूप से आयोजन एवं अनुवर्ती कार्रवाई के परिणामस्वरूप कोटा कारखाना में राजभाषा नीति को लागू करने और प्रगति को मॉनीटर करने की एक सुदृढ़ व्यवस्था कायम की गई है, कारखाना राजभाषा कार्यान्वयन समिति कोटा की अब तक 72 बैठकों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है।

8. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति: कारखाना कोटा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोटा (कार्यालय वर्ग) का सदस्य कार्यालय है। राजभाषा कार्यान्वयन का सुदृढ़ अनुपालन के आधार पर मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, कोटा ने न.रा.का.स. कोटा की अब तक 13 राजभाषा दक्षता शील्ड हासिल की है।

9. राजभाषा प्रकाशन: कारखाना कोटा में 'राजभाषा दैनन्दिनी' एवं गृह पत्रिका 'प्रयास' का अनवरत रूप से प्रकाशन किया जा रहा है। इससे यहां के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक ऐसा साझा मंच उपलब्ध है जहाँ वे अपनी सृजनात्मक प्रतिभा को उभारने के साथ-साथ महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी भी प्राप्त करते हैं।

इसी क्रम में कारखाना द्वारा प्रकाशित किए जा रहे सहायक साहित्य ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है, कारखाना के समस्त शॉप एवं अनुभागों पर राजभाषा नीति की महत्वपूर्ण जानकारी देने वाले आकर्षक पोस्टर्स लगवाए गए हैं साथ ही राजभाषा की जानकारी देने वाले पॉकेट कार्ड्स भी उपलब्ध करवाए गए हैं।

10. नवीन प्रयोग एवं पहलकदमी: कोटा कारखाना के राजभाषा अनुभाग के कार्मिकों ने कारखाना के प्रत्येक अनुभाग/ शॉप की प्रत्येक फाइल का शीर्षक द्विभाषी रूप में लिखने में अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया है । साथ ही यहाँ फाइलों की अंतिम जिल्द पर राजभाषा शब्दावली छपवाकर चिपकाई गई है ताकि, नोटिंग लिखते समय तुरंत संबंधित शब्द देखकर लिखा जा सके।

कोटा कारखाना के राजभाषा अनुभाग द्वारा अनुवाद कार्य को अत्यधिक महत्व दिया गया है, फलस्वरूप अत्यंत अल्प

राजभाषा नियम 1976 के उपनियम 2(छ) के अनुसार दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली 'ख' क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

समय में कारखाना के निविदा, संविदा एवं ई-टेंडरिंग संबंधी और अनुशासनिक कार्रवाई, विभागीय परीक्षाओं इत्यादि संबंधी अतिगोपनीय एवं महत्वपूर्ण सामग्री का अनुवाद विभाग द्वारा नियमित रूप से किया जाता है।

कोटा कारखाना पर व्यक्तिगत संपर्क एवं टेबल ट्रेनिंग को प्राथमिकता दी गई है ताकि कर्मचारियों का अतिरिक्त समय लिए बिना मौके पर ही व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा सके, राजभाषा अनुभाग की इस पहल को कार्यालय में सर्वत्र सराहा गया है।

11. हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय: कोटा कारखाना के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजन में पठन-पाठन के प्रति गहरी रूचि को देखते हुए मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय में स्थित मैथिलीशरण गुप्त हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय को स्थापित किया गया। इस पुस्तकालय में कुल 2,486 पुस्तकें उपलब्ध है।

12. निरीक्षण: दिनांक 05.04.2022 को माननीय संसदीय समिति की दूसरी उपसमिति के साथ दिल्ली के विज्ञान भवन में मुख्य कारखाना प्रबंधक, कार्यालय,कोटा की निरीक्षण बैठक संपन्न हुई। माननीय समिति ने कार्यालय में राजभाषा प्रगति पर संतोष प्रकट किया।

13. राजभाषा प्रदर्शनी: प्रतिवर्ष राष्ट्रीय दशहरा मेला के अवसर पर कोटा में रेलवे की ओर से लगाई जाने वाली स्टॉल पर हिंदी पत्रिकाओं, पोस्टरों, आमजन को हिंदी में दिए जाने वाले संरक्षा संदेश, पम्पलेट्स इत्यादि प्रदर्शित किये जाते है एवं इन्हें जनता द्वारा काफी पसंद किया जाता है।

14. पुरस्कार एवं सम्मान: कोटा कारखाना की इन समस्त उपलब्धियों के लिए आदर्श कारखाना रेल मंत्री राजभाषा शील्ड एवं आर.डी.एस.ओ. से बेस्ट वर्कशॉप शील्ड 1993 में प्राप्त की। माननीय रेलमंत्री द्वारा वर्ष 2015 में सबसे अच्छी पी.ओ.एच. गुणवत्ता और उच्चतम आऊट-टर्न के लिए गुवाहाटी में आयोजित रेल सप्ताह के दौरान पुरस्कृत किया गया। साथ ही पिछले 05 वर्षों से लगातार मुख्य राजभाषा अधिकारी की अन्तर कारखाना राजभाषा शील्ड इस कारखाना को प्राप्त हुई है। इसके अलावा जनवरी 2021 में कारखाना को पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सी.आई.आई.-गोदरेज जीबीसी की प्रतिष्ठित ग्रीन को गोल्ड रेटिंग प्राप्त हुई।

15. कठिन परीक्षा के अविस्मरणीय क्षण: प्राकृतिक आपदाएं सदैव ही मानव की जिजिविषा की परीक्षा लेती रही हैं, ऐसा ही एक दौर वैश्विक महामारी कोविड 19 के समय आया। राजभाषा विभाग सामान्यत: व्यक्तिगत मेल-जोल और संपर्क कार्यक्रमों द्वारा ही संवैधानिक प्रावधानों को लागू करता आया है और प्रेरणा, पुरस्कार, सद्भावना इत्यादि ही हमारे उपकरण रहे हैं। यह समय हमारे समक्ष ऐसा प्रश्न लेकर आया जिसका तत्काल हमारे पास कोई जवाब नहीं था लेकिन यह साझा करते हुए मन अत्यंत गौरवान्वित है कि राजभाषा विभाग ने सीमित तकनीकी योग्यता के साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम को उसी जीवट और ऊर्जा से सम्पन्न किया फिर चाहें वह ऑन लाइन तिमाही बैठकें हों, राजभाषा प्रतियोगिताएं हों, काव्य गोष्ठी हो या प्रश्न मंच कार्यक्रम हों। ऐसे में पत्रिका प्रकाशन कर पाना अपने आप में बहुत चुनौती पूर्ण था क्योंकि प्रिंटिंग कर्मचारियों के साथ समुचित व्यक्तिगत दूरी बनाए रखते हुए यह कार्य किया जाना था।

16. चुनौतियां: कारखाना के राजभाषा विभाग को कारखाना के मुखिया सहित समस्त उच्च अधिकारियों और प्रभारी राजभाषा अधिकारियों का सतत् रूप से मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है, अत्यधिक प्रोत्साहन और सद्भावना भी प्राप्त हो रही है।

यदि राजभाषा नीति के अनुपालन का महत्वपूर्ण कार्य राजभाषा अधिकारी की पारखी समझ और प्रगतिशील नेतृत्व में हो तो यह विभाग और भी सुगमतापूर्वक कार्य कर सकता है।

16. आगामी पहल: कारखाना पर राजभाषा का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है, हमें कार्य निष्पादन की गति बनाए रखने के लिए तकनीकी सशक्तिकरण पर अत्यधिक बल देने की आवश्यकता है। हमें अपनी कार्य-प्रणाली को अधिक समावेशी बनाते हुए राजभाषा ई-टूल्स को अपने दैनिक कार्यों में सम्मिलित करना होगा और ई-पत्रिका एवं पेपर रहित कार्य प्रणाली के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के अनुरूप स्वयं को ढालना होगा।

इस प्रकार कोटा कारखाना इस दिशा में निरंतर अग्रसर है।

राकेश कुमार मीना

वरिष्ठ अनुवादक, मडिमका, कोटा

संसदीय राजभाषा समिति में 20 लोकसभा से एवं 10 राज्यसभा से सांसद गण समिति सदस्य के रूप में नामित होते हैं।

छायाचित्र - वीथिका

राजभाषा पखवाड़ा-2004 के अवसर पर प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना सुश्री अनीता बाबू का स्वागत करते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री दीपक कुमार गुप्ता

दिनांक 30.03.2005 को श्री दीपक कुमार गुप्ता, तत्कालीन महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में स्वागत भाषण देते हुए श्री मनोज पाण्डे, तत्कालीन मुराधि।

दिनांक 18.09.2006 को आयोजित संसदीय राजभाषा समिति की बैठक में तत्कालीन महाप्रबंधक श्री महीप कपूर तथा पमरे के विभाग प्रमुख।

दिनांक 30 मई 2008 को तत्कालीन महाप्रबंधक,श्री वी. के. मांगलिक की अध्यक्षता में आयोजित क्षेराकास बैठक में स्वागत भाषण देते हुए श्री विजय नारायण त्रिपाठी, तत्कालीन मुराधि।

राजभाषा पखवाड़ा 2009 के अवसर पर मंचासीन श्री वी.के. मांगलिक, तत्कालीन महाप्रबंधक, डॉ. प्रमोद बनकर, तत्कालीन मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं श्री दीपक कुमार गुप्ता, तत्कालीन उप मुख्य राजभाषा अधिकारी

दिनांक 19 सितम्बर 2011 को आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक की अध्यक्षता करते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री गोविंद नारायण अस्थाना तथा अन्य अधिकारीगण।

छायाचित्र - वीथिका

राजभाषा पखवाड़ा 2011 के अवसर पर संबोधन देते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री गोविंद नारायण अस्थाना

राजभाषा पखवाड़ा- 2012 के अवसर पर मंचासीन श्री सुनील वी. आर्या, तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री आलोक दवे, तत्कालीन मुख्य यांत्रिक इंजीनियर तथा श्री बी.एन. मीना, तत्कालीन मुख्य राजभाषा अधिकारी

दिनांक 07 फरवरी 2013 को आयोजित संसदीय राजभाषा समिति के माननीय सदस्यों के साथ तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री सुनील वी.आर्या और पश्चिम मध्य रेलवे के विभाग प्रमुख।

संसदीय राजभाषा समिति-आलेख एवं साक्ष्य उप समिति की बैठक के दौरान अन्य केन्द्रीय कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधानों से चर्चा करते हुए। तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री सुनील वी. आर्या

राजभाषा पखवाड़ा-2015 के अवसर पर संबोधन देते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री रमेश चंद्रा

क्षेराकास की बैठक में गृह पत्रिका 'राजभाषा सरिता' का विमोचन करते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री रमेश चंद्रा एवं श्री नवीन चौपड़ा तत्कालीन मुराधि।

छायाचित्र - वीथिका

नराकास की छःमाही बैठक की अध्यक्षता करते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री गिरीश पिल्लई एवं उपस्थित तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, मुराधि तथा अन्य अधिकारीगण।

वर्ष 2018-19 में विद्युत लोको शेड, कटनी को प्राप्त रेल मंत्री राजभाषा शील्ड तथा मुख्यालय को प्राप्त रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी के साथ तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री अजय विजयवर्गीय तथा विभाग प्रमुख,पमरे।

राजभाषा पखवाड़ा-2019 के अवसर पर संबोधन देते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री अजय विजयवर्गीय।

तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह से रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक-2019 प्राप्त करते हुए, तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, श्री शोभन चौधुरी

श्री राजेश अर्गल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) को रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक (2018) एवं प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, श्री शोभन चौधुरी

दिनांक 16.12.2019 को नराकास की 6वीं बैठक में हिंदी के सराहनीय प्रयोग के लिए जबलपुर मंडल को प्रथम पुरस्कार (राजभाषा चल शील्ड) प्रदान करते हुए तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, श्री शोभन चौधुरी।

छायाचित्र - वीथिका

गृह पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के 40वें अंक का अवलोकन करते हुए, श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, तत्कालीन महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारीगण

'राजभाषा सरिता' के 40वें अंक का विमोचन करते हुए, श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, तत्कालीन महाप्रबंधक,तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, एवं तत्कालीन मुराधि

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छ:माही बैठक के दौरान अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक,पमरे

राजभाषा हिंदी के सर्वाधिक एवं सराहनीय प्रयोग के लिए जबलपुर मंडल को राजभाषा शील्ड (प्रथम पुरस्कार) प्रदान करते हुए श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, तत्कालीन समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, पमरे

दिनांक 05 मई 2022 संसदीय राजभाषा समिति की बैठक में उपस्थित श्री शोभन चौधुरी, तत्कालीन मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पमरे एवं श्री मनोज कुमार राम, कार्यकारी निदेशक (रेलवे बोर्ड), रेल मंत्रालय

संसदीय राजभाषा समिति की बैठक में उपस्थित माननीय सांसद एवं समिति संयोजिका प्रो.रीता बहुगुणा जोशी व माननीय सांसद एवं समिति सदस्य श्री प्रदीप टम्टा

छायाचित्र - वीथिका

नराकास की 9वीं बैठक के दौरान अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए
श्री सुधीर कुमार गुप्ता, तत्कालीन समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, पमरे

नराकास की 9वीं बैठक के दौरान 'नगर राजभाषा शील्ड' प्रदान करते हुए श्री
सुधीर कुमार गुप्ता, तत्कालीन समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, पमरे

राजभाषा पखवाड़ा 2022 के दौरान संबोधन देते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक
श्री सुधीर कुमार गुप्ता, पश्चिम मध्य रेलवे

माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, कोटा को 'अंतर कारखाना राजभाषा शील्ड-2021'
प्रदान करते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता, पश्चिम मध्य रेलवे

नराकास की 13वीं बैठक के दौरान वार्षिक राजभाषा पत्रिका 'सरल' के चतुर्थ
अंक का विमोचन करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, अपर महाप्रबंधक, पमरे।

नराकास की 13वीं बैठक के दौरान महाप्रबंधक कार्यालय, पमरे को 'समग्र दक्षता
शील्ड' प्रदान करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, अपर महाप्रबंधक, पमरे।

छायाचित्र - वीथिका

67वें रेल सप्ताह के दौरान माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के करकमलों से 'समग्र दक्षता शील्ड' ग्रहण करते हुए श्री सुधीर कुमार गुप्ता, तत्कालीन महाप्रबंधक

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के करकमलों से लेखा एवं वित्त प्रबंधन शील्ड-2023 ग्रहण करते हुए श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, महाप्रबंधक,पमरे

दिनांक 15.03.2024 को आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 64 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, महाप्रबंधक पमरे

क्षेराकास की 64 वीं बैठक के दौरान राजभाषा पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के 48वें अंक का विमोचन करते हुए श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, महाप्रबंधक, पमरे

f

दिनांक 29.07.2024 को आयोजित क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव के दौरान संबोधन देते हुए श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे

क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त नाटक 'परकाया' के नाटक दल को शील्ड प्रदान करते हुए श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, महाप्रबंधक, पमरे

पश्चिम मध्य रेल के मुख्य राजभाषा अधिकारी

पश्चिम मध्य रेलवे की गृह राजभाषा पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के नियमित प्रकाशन और पश्चिम मध्य रेलवे पर संघ की राजभाषा नीतियों के कारगर एवं सफल कार्यान्वयन तथा राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग-प्रसार हेतु अपना श्रेष्ठ मार्गदर्शन प्रदान करने और उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान देने के लिये राजभाषा विभाग अपने सभी मुख्य राजभाषा अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

राजभाषा हिंदी में काम करना राष्ट्रीय गौरव की बात है।

Designed & Printed by- Up To Date Print Media, Jabalpur. Mob-7470587143. E-mail- up2date.print@gmail.com